मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 2 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 5 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 340, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸युवा शक्ति के हाथों फिर विश्वगुरु बनेगा भारत

चाइना मास्टर्स : विक्टर लाई से सीधे गेम में हारकर लक्ष्य सेन हुए बाहर ◂◂ 6

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

संवाददाता

रांची : जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते की जमानत याचिका पर उक्कऊ की विशेष अदालत में सुनवाई हुई. मामले में दोनों पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी हो गई. इसके बाद कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया. याचिकाकर्ता की ओर से पक्ष रखा गया, उनकी ओर से कहा गया कि उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है, छापेमारी में उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला. उनकी गिरफ्तारी अवैध हैं.

वहीं सीआईडी की ओर से बताया गया टीडीपीएल को परीक्षा आयोजन का कार्य देने में उनकी भूमिका रही हैं. टीडीपीएल की ओर से ली जाने वाली परीक्षाओं में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है, इसकी पूरी जानकारी उन्हें थी, लेकिन उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया गया. पिछली सुनवाई में सीआईडी की ओर से कोर्ट में केस डायरी पेश किया गया था. ख्यांग्ते की ओर से वरीय अधिवक्ता अनिल कुमार और अधिवक्ता चंदना कुमारी ने पक्ष रखा.

बता दें कि सीआईडी ने एल ख्यांग्ते को 10 अगस्त को गिरफ्तार किया था. जांच में एल ख्यांग्ते पर टीडीपीएल से कथित तौर पर 2 करोड़ रुपए कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है.

बताते चलें कि सीआईडी ने परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है. इसी मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने एल ख्यांग्ते को गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ हुई थी, उसके बाद से वे जेल में बंद हैं. इस केस में अब तक 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है.

जेपीएससी नियुक्ति घोटाले के किंगपिन अभय तिवारी ने जो स्वीकारोक्ति बयान सीआईडी के अधिकारियों के समक्ष दिया है, उसमें उसने पूर्व चेयरमैन एल ख्यांग्ते का घोटाले में शामिल होने का उल्लेख किया है. साथ ही कहा है कि टीडीपीएल को परीक्षा आयोजित करने की एजेंसी के रूप में चयन करने में ख्यांग्ते की अहम भूमिका है.

आर्थिक बबार्दी के भंवर में फंसा ईरान, होर्मुज स्ट्रेट पर उसका नियंत्रण नहीं: अमेरिकी वित्त मंत्री

एशविले । अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि ईरान आर्थिक रूप से मौत के भंवर में फंस गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव और सैन्य कार्रवाई का असर अंततः ईरान को फिर से बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर करेगा। जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक के बाद एशविल में पत्रकारों से बात करते हुए बेसेंट ने कहा कि अमेरिका का होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण है और उन्होंने इस दावे को खारिज किया कि ईरान ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को सफलतापूर्वक बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान का होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण नहीं है और वह आर्थिक रूप से गंभीर संकट में है। होर्मुज स्ट्रेट पर हमारा नियंत्रण है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिकी सेना के सीमित हमलों में उन रडार प्रणालियों को निशाना बनाया गया जिन्हें ईरान होर्मुज

स्ट्रेट के आसपास दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में लगभग 17 मिलियन बैरल कच्चा तेल इस जलमार्ग से होकर गुजरा। बेसेंट का कहना था कि आर्थिक प्रतिबंधों के कारण ईरानी सरकार पर लगातार दबाव बढ़ रहा है और इसी वजह से वह सैन्य कदम उठा रही है। वे घबराए हुए हैं। आर्थिक दबाव बढ़ने के कारण वे सैन्य कार्रवाई का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने ईरान में ईंधन की कमी और लंबी कतारों का भी जिक्र किया और कहा कि दुनिया के बड़े ऊर्जा संसाधनों वाले देशों में शामिल होने के बावजूद ईरान कठिनाइयों का सामना कर रहा है।

बेसेंट ने कहा कि ईरानी नेतृत्व पर दबाव तीन में से एक नतीजा दे सकता है: इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के भीतर फूट, जनता का विरोध या वाशिंगटन के साथ बातचीत। उन्होंने कहा कि किसी समय ऐसा होगा जब या तो आईआरजीसी के लोग आपस में बंट जाएंगे या जनता उनके खिलाफ हो जाएगी, या वे बातचीत की मेज पर आकर ऐसा समझौता करना चाहेंगे जिसका पालन किया जा सके। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ईरान की डॉलर तक पहुंच सीमित करने और उन वित्तीय रास्तों को रोकने की कोशिश कर रहा है जिनके जरिए ईरान चीनी मुद्रा रेनमिनबी (आरएमबी) में प्राप्त भुगतान को दूसरी मुद्राओं में बदलता है।

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने शुरू की कार्रवाई खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना

104

'तेहरान । अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने भी हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बताया कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों पर जवाबी कार्रवाई की गई है। मंगलवार रात (स्थानीय समयानुसार) अपने आधिकारिक समाचार माध्यम 'सेपाह न्यूज' पर जारी बयान में आईआरजीसी ने कहा कि हमलावरों के खिलाफ उसका जवाब शुरू हो गया है। आईआरजीसी ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने एक अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। आईआरजीसी ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने जॉर्डन में कैंप टिटिन और बहरीन में शेख ईसा एयर बेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए। संगठन का दावा है कि इन हमलों में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक मारे गए और कई महत्वपूर्ण सैन्य सुविधाएं तथा लड़ाकू हेलीकॉप्टर नष्ट हुए।

आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका के हालिया हमलों से होर्मुज स्ट्रेट के बंद रहने की अवधि और बढ़ सकती है। साथ ही, इससे ईरानी सशस्त्र बल विदेशी हस्तक्षेप का मुकाबला करने के लिए और अधिक दृढ़ हो जाएंगे।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका ने दक्षिणी ईरान के तटीय क्षेत्रों में कई नागरिक ठिकानों पर हमला किया। संगठन ने दावा किया कि यह कार्रवाई अमेरिका ने 'हताशा' में की और यह होर्मोजगान प्रांत में एक शादी समारोह पर हुए कथित अमेरिकी हमले के बाद की गई।

जॉर्डन की सशस्त्र सेना (जेएएफ) ने बाद में बताया कि मंगलवार शाम उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से आए 13 में से 10 बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराया।

जॉर्डन के अनुसार, बाकी तीन मिसाइलें आबादी वाले क्षेत्रों से दूर गिरीं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने होर्मोजगान प्रांत के राजनीतिक एवं सुरक्षा मामलों के उप-गवर्नर अहमद नफीसी के हवाले से कहा कि सिरिक काउंटी में एक शादी समारोह को निशाना बनाए गए अमेरिकी हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई। मृतकों में एक चार साल का बच्चा और एक महिला भी शामिल हैं। 50 से अधिक लोग घायल बताए गए हैं।

मंगलवार शाम दक्षिणी ईरान के कई इलाकों में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसी दौरान अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आईआरजीसी के ठिकानों पर हमले शुरू करने की घोषणा की।

ईरानी मीडिया के अनुसार, धमाकों की आवाजें सिरिक, बंदर अब्बास, केशम, जास्क, कोनारक, चाबहार, जीरोफ्त और असलूयेह सहित कई क्षेत्रों में सुनी गईं।

ईरान के प्रमुख सैन्य कमांड खातम अल-अंबिया सेंट्रल मुख्यालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी 'हवाई आक्रमण' के जवाब में ईरानी सशस्त्र बल अमेरिका को 'कड़ा और करारा जवाब' देंगे। बयान में कहा गया कि ईरान अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाना जारी रखेगा।

नेतन्याहू का दावा: गाजा में घर के पास से पकड़ा गया हमास का टॉप लीडर, आतंकी हमलों का है मास्टरमाइंड

संवाददाता

इजरायल । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) की तारीफ करते हुए दावा किया कि जवानों ने हमास के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के प्रमुख को उसके घर के पास से गरिफ्तार कयिा है। उन्होंने कहा कि मेरा निर्देश स्पष्ट है कि हम हमास के सभी नेताओं और 7 अक्टूबर के नरसंहार में शामिल हर व्यक्ति का पीछा करते रहेंगे। उन्होंने सोशल मीडयिा प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लखिा, ₹मैं 'शिन बेट' (इजरायली सुरक्षा एजेंसी) और इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) की सराहना करता हूं, जिन्होंने एक साहसिक अभियान में गाजा में उसके घर के पास हमास के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के प्रमुख को

गिरफ्तार किया।" नेतन्याहू ने बताया कि वह हमास के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक है। वह हमारे बंधकों को छिपाने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने, हमास के वरिष्ठ नेताओं को सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने तथा संगठन की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने और फिर से मजबूत करने की कोशिशों के लिए जिम्मेदार था।

उन्होंने कहा कि हाल के समय में वह गाजा में हमास के शासन को फिर से स्थापित करने के प्रयासों में शामिल था। वह गाजा पट्टी के निरस्त्रीकरण को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने की कोशिशों में भी सक्रिय था। इसके अलावा, उसने हमारी सेना और नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी हमलों को अंजाम देने में भी मदद की।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बताया कि मेरा निर्देश बिल्कुल स्पष्ट है, इजरायल हमास के सभी नेताओं और सात अक्टूबर के नरसंहार में शामिल हर व्यक्ति का पीछा करना जारी रखेगा। बीते दो सप्ताह पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज गाजा पट्टी से इजरायल की ओर भेजे जा रहे ड्रोन, गुब्बारों और पतंगों से पैदा हुए सुरक्षा खतरे पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर चुके हैं।

बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में इजरायल ने हमास को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि गाजा से ड्रोन, गुब्बारों और पतंगों के जरिए हमले तुरंत नहीं रुके, तो आईडीएफ इन हमलों के जिम्मेदार लोगों पर लक्षित हमले और तेज करेगी।

सख्त कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने उस समय इजरायल डफिंस फोर्स (आईडीएफ) को कसिी भी गुब्बारे या पतंग के खलिाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने साफ किया कि गाजा से आने वाले कसिी भी गुब्बारे या पतंग को ड्रोन ही माना जाएगा, फरि चाहे उसमें वस्फिोट हो या न हो।

सदर अस्पताल में शुरू हुई स्वाइन फ्लू की जांच

गुलाम शाहिद

रांची। राजधानी में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों और इसके लक्षण वाले मरीजों की संख्या में हो रही वृद्धि को देखते हुए सदर अस्पताल में गुरुवार से स्वाइन फ्लू की जांच शुरू कर दी गयी है। अस्पताल प्रबंधन ने जांच के लिए जरूरी किट की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली है।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ विमलेश ने बताया कि अस्पताल में गुरुवार से स्वाइन फ्लू की जांच की सुविधा शुरू कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से बड़ी संख्या में मरीज स्वाइन फ्लू जैसे लक्षणों के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। मरीजों में सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, लक्षण वाले मरीजों की जांच कर संक्रमण की स्थिति का पता लगाया जायेगा। जांच की सुविधा शुरू होने से मरीजों को अब स्वाइन फ्लू की जांच के लिए दूसरे केंद्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अस्पताल में आने वाले संदिग्ध मरीजों की चिकित्सकीय जांच के बाद जरूरत के अनुसार स्वाइन फ्लू की जांच करायी जायेगी।

डीएसपी रामप्रवेश कुमार के खिलाफ पत्नी ने दर्ज करायी प्राथमिकी

रांची । झारखंड पुलिस के ऊढ रामप्रवेश कुमार के खिलाफ उनकी पत्नी ने गंभीर आरोप लगाते हुए रांची के सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। रामप्रवेश कुमार वर्तमान में बोकारो में सीसीआर डीएसपी के पद पर पदस्थापित हैं। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, महिला ने अपने पति पर मारपीट करने और मायके से मोटी रकम लाने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके दौरान कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की गयी। महिला के परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे। इसके बाद महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गयी, जिसके बाद सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिकी में दर्ज आरोपों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी। मामले में दोनों पक्षों के बयानों और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

झारखंड सहायक आचार्य नियुक्ति,बीएड डिग्री धारकों को झारखंड हाई कोर्ट से राहत, उम्मीदवारी पर दोबारा विचार

रांची। हाई कोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत में सहायक आचार्य नियुक्ति बीएड की डिग्री को लेकर उम्मीदवारी खारिज किए गए अभ्यर्थियों को राहत मिली है। अदालत ने शिल्पा कुमारी एवं अन्य की याचिका स्वीकार करते हुए जेएसएससी को उनकी उम्मीदवारी पर विज्ञापन की शर्तों के अनुरूप दोबारा विचार करने और नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल करने पर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

मामले में याचिकाकर्ताओं को जेएसएससी की ओर से नोटिस जारी किया गया था। इसमें कहा गया था कि उनके द्वारा प्राप्त बीएड की डिग्री विज्ञापन में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता की शर्तों के अनुरूप नहीं है। इसी आधार पर उनकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया गया था।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता शुभम मिश्रा और अधिवक्ता ज्ञानदेव राज ने अदालत को बताया कि प्रार्थी ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के प्रविधानों के अनुरूप बीएड की डिग्री हासिल की है। उनके पास झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) का प्रमाणपत्र भी है। ऐसे में वे विज्ञापन में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और अन्य आवश्यक शर्तें पूरी करते हैं। अधिवक्ताओं ने दलील दी कि केवल बीएड की अवधि या उसकी प्रकृति के आधार पर अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी खारिज नहीं की जा सकती। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने विप्लव दत्ता एवं अन्य के मामले में पारित आदेश के आलोक में याचिका स्वीकार कर ली। अदालत ने जेएसएससी को निर्देश दिया कि वह याचिकाकताओं की उम्मीदवारी पर विज्ञापन की शर्तों के अनुसार विचार करे और उन्हें नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल करने के संबंध में उचित निर्णय ले।

माध्यमिक आचार्य नियुक्ति से संबंधित जनहित याचिका निष्पादित : झारखंड हाई कोर्ट में माध्यमिक आचार्य नियुक्ति से संबंधित जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने जनहित याचिका निष्पादित कर दी। सुनवाई के दौरान जेएसएससी की ओर से अदालत को बताया गया कि 877 अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए राज्य सरकार से अनुशंसा कर दी गई है। 204 पदों के लिए उपयुक्त अभ्यर्थी नहीं मिल सके हैं। वहीं, 292 अभ्यर्थियों के दस्तावेज के सत्यापन के दौरान कुछ त्रुटियां पाई गई हैं। इन अभ्यर्थियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

नेपाल बाढ़: मृतकों की संख्या ग्यारह सौ के पार, सर्च ऑपरेशन जारी

काठमांडू । नेपाल फ्लैश फ्लड में मरने वालों की संख्या ग्यारह सौ के पार पहुंच गई है। बुधवार को नेपाल प्रशासन ने ताजा आंकड़े साझा करते हुए बताया कि सर्च (खोज), रेस्क्यू (बचाव) और रिलीफ (बचाव) ऑपरेशन जारी है। नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरआरएमए) ने बताया कि पिछले हफ्ते आई भयानक बाढ़ में बहे 1,114 शव बुधवार सुबह 9 बजे तक बरामद कर लिए गए थे। सबसे ज्यादा शव दक्षिणी चितवन जिले से बरामद किए गए (348), इसके बाद नवलपरासी ईस्ट (217), नवलपरासी वेस्ट (190), नुवाकोट (155), गोरखा (66), धाडिंग (59), रसुवा (41) और तनहुं (38) का नंबर आता है। इन आंकड़ों में अलग-अलग जगहों से बरामद शरीर के अंग भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 95 शवों की पहचान कर ली गई है और उन्हें उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया गया है।

एनडीआरआरएमए के अनुसार, 3,916 लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इनमें सरकारी कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, चुने हुए प्रतिनिधि, विदेशी नागरिक, विदेशी पर्यटकों के साथ आए नेपाली लोग, स्थानीय निवासी और पनबिजली परियोजनाओं में काम करने वाले मजदूर शामिल हैं।

हालांकि, एनडीआरआरएमए और नेपाल पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में अंतर है।

नेपाल पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, 4,858 लोग (जिनमें 583 विदेशी नागरिक शामिल हैं) लापता हैं। ये आंकड़े बुधवार सुबह 8 बजे तक इकट्ठा की गई जानकारी के आधार पर साझा किए गए। इस बीच, बाढ़ पीड़ित 11 पनबिजली परियोजनाओं से लापता बताए गए कई लोगों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, नेपाल (आईपीपीएएन) के अनुसार, रसुवा और नुवाकोट में भोटेकोशी और त्रिशूली नदी कॉरिडोर के किनारे 11 पनबिजली परियोजनाओं से जुड़े 983 लोगों की स्थिति का अभी तक पता नहीं चल पाया है। नेपाली सेना के जवान, भारतीय और चीनी टनल बचाव टीमों के साथ मिलकर, कई पनबिजली परियोजनाओं में सुरंगों के अंदर गहराई तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि लापता लोगों का पता चल सकता है या नहीं। पावर डेवलपर्स की प्राइवेट सेक्टर की प्रतिनिधि संस्था ने मंगलवार शाम को बताया कि कई प्रोजेक्ट्स पर बचाव कार्य जारी हैं। इनमें अपर त्रिशूली 3ए हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट (60 एमडब्ल्यू), चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट (22 एमडब्ल्यू), लांगटांग खोला हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट (20 एमडब्ल्यू), त्रिशूली 3बी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट (37 एमडब्ल्यू) और अपर त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट (216 एमडब्ल्यू) शामिल हैं।

आईपीपीएएन के अनुसार, जब बाढ़ आई, तो अपर त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर 1,433 लोग काम कर रहे थे।

इनमें से 876 लोगों को या तो बचा लिया गया है या उनसे संपर्क हो गया है। आईपीपीएएन के मुताबिक, जिन लोगों का अभी तक कोई पता नहीं चला है, उनमें प्रोजेक्ट कंपनी के 15 कर्मचारी, ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) कॉन्ट्रैक्टर डूसान के 78 कर्मचारी, एंड्रिट्ज हाइड्रो के 94 कर्मचारी, कंसल्टेंट (लाहमेयर इंटरनेशनल जीएमबीएच और जेड कंसल्ट प्राइवेट लिमिटेड के जॉइंट वेंचर) के सात और सिविल सब-कॉन्ट्रैक्टर पावरचाइना के 385 वर्कर शामिल हैं। मंगलवार तक रसुवागढ़ी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट (111 एमडब्ल्यू) से लापता बताए गए 91 लोगों का कोई पता नहीं चल सका था। नेपाली सेना की अगुवाई वाली एक टीम ने सोमवार को मौके का मुआयना किया और यह रिपोर्ट देने के बाद लौटी कि उन्हें पावरहाउस टनल के अंदर कोई नहीं मिला।

समाचार सार

रामनारायण +2 विद्यालय में 'गुरुजी का कॉल' अभियान शुरू,एक कॉल, बच्चों को लाएगा स्कूल वापस

चतरा। रामनारायण +2 उच्च विद्यालय, हंटरगंज ने बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने के लिए ह्यगुरुजी का कॉलह्व अभियान शुरू किया है। लगातार अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शिक्षक फोन कर अनुपस्थिति का कारण जानेंगे और समस्या का समाधान कर बच्चे को स्कूल वापस लाने का प्रयास करेंगे।प्राचार्य अनूप कुमार ने कहा कि हर अनुपस्थित बच्चा लापरवाह नहीं होता।आर्थिक, पारिवारिक या अन्य कारणों से भी बच्चे स्कूल से दूर हो सकते हैं। ऐसे बच्चों को डांटने के बजाय संवाद और अपनापन जरूरी है।उन्होंने कहा, ह्यएक फोन बच्चे को स्कूल ही नहीं, उसके सपनों तक वापस ला सकता है।

गेरुआ पंचायत सचिवालय एसआईआर को लेकर पहुंचे एसडीओ,वंचित मतदाताओं को जोड़ने का निर्देश

चतरा। हंटरगंज प्रखंड के ग्राम पंचायत गेरुआ के पंचायत सचिवालय में मंगलवार को मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी पहुंचे और मतदाता पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने एसआईआर से वंचित पात्र मतदाताओं का नाम नियमानुसार मतदाता सूची में जोड़ने का निर्देश दिया।एसडीओ ने कहा कि पुनरीक्षण कार्य में किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने संबंधित कर्मियों और बूथ लेवल अधिकारियों को क्षेत्र में ऐसे मतदाताओं की पहचान कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने को कहा। साथ ही मतदाताओं को भी अपने नाम और विवरण की जांच करने की अपील की।कार्यक्रम में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी दिनकर कुमार, मुखिया दूधनाथ यादव,प्रतिनियुक्त शिक्षक तथा बीएलओ मीरा कुमारी, कुसुम कुमारी और पूनम कुमारी मौजूद रहीं। बड़ी संख्या में स्थानीय मतदाताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।एसडीओ ने मौके पर मौजूद कर्मियों से कहा कि एसआईआर के तहत चल रहे कार्य को गंभीरता से लेते हुए समय पर पूरा करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न रहे।

चतरा जिले के दो थाना प्रभारी बदले गए

चतरा। जिले के दो थाना प्रभारियों का तबादला किया गया है।एसपी अनिमेष नैथानी ने जिले के प्रशासनिक एवं पुलिसिंग व्यवस्था में बदलाव करते हुए दो थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। राजपुर थाना के पूर्व थाना प्रभारी और वर्तमान में टंडवा में जेएसआई के पद पर तैनात संदीप कुमार को हंटरगंज थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि दिलेश्वर कुमार को गिद्धौर थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

स्टेडियम गेट के बाहर मानसिक विक्षिप्त महिला का मिला शव,कई दिनों से इलाके में भटक रही थी महिला

चतरा। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डुमरी में मंगलवार की सुबह शालिग्राम रामनारायणपुर स्टेडियम के मुख्य गेट के बाहर एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।महिला का शव राम नारायण मेमोरियल कॉलेज के सामने पड़ा मिला। शव मिलने की जानकारी होते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और पिछले कई दिनों से इलाके में इधर-उधर घूमती देखी जा रही थी। सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास शुरू किया। महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया है।महिला की मौत के कारणों को लेकर पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।वहीं पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर महिला की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में 4 को भव्य जन्माष्टमी महोत्सव

रांची : पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवाधाम के श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन 4 सितंबर को किया जाएगा। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव को विशेष और यादगार बनाने के लिए विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष कोलकाता से विशेष रूप से नृत्य-नाटिका प्रस्तुत करने वाली कलाकारों की टीम भी रांची पहुंचेगी। कलाकारों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, बाल लीलाओं, राधा-कृष्ण की भक्ति एवं श्रीकृष्ण के दिव्य चरित्र पर आधारित मनोहारी नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। भव्य झूलन में लड्डू गोपाल विराजमान होंगें। महोत्सव के क्रम में प्रातः 5:30 बजे मंगला आरती, 9 बजे शृंगार आरती तथा 11 बजे भगवान को थाल भोग अर्पित किया जाएगा। संध्या 4 बजे श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन होंगे तथा 6 बजे संध्या आरती होगी। रात्रि 7 बजे से भजन-कीर्तन एवं जागरण मंडली के कलाकारों द्वारा भक्तिमय कार्यक्रम प्रारंभ होगा, जो मध्यरात्रि तक चलेगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के पावन अवसर पर विशेष आरती एवं तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। प्रवक्ता संजय सर्राफ ने सभी श्रद्धालुओं, भक्तजनों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से जन्माष्टमी महोत्सव में सपरिवार शामिल होकर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

4-5 सितंबर को अलबर्ट एक्का चौक पर सजेगा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य मंच

राज्यपाल करेंगे नमो दही हांडी प्रतियोगिता का उद्घाटन

संवाददाता

रांची : श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव समिति के तत्वावधान में 4 एवं 5 सितंबर को अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समिति के मुख्य संरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

इसी क्रम में समिति के संरक्षक अजय मारू एवं अध्यक्ष मुकेश काबरा के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने लोक भवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को महोत्सव में आयोजित होने वाली नमो दही हांडी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। राज्यपाल ने 5 सितंबर को जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल होने की सहमति प्रदान की।

समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव के सांस्कृतिक मंच का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। विभिन्न विभागीय समितियों के प्रभारी अपने-अपने दायित्वों को सफल बनाने में जुटे हैं। आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ बेहतर व्यवस्था के लिए समिति के सदस्य लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा 16वीं बार नमो दही हांडी जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड में किया जा रहा है।

4 सितंबर को बाल कृष्ण की झांकी और प्रतियोगिता : महोत्सव के पहले दिन 4 सितंबर को दोपहर 3 बजे श्री कृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्घाटन समाज की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष एवं सचिव संयुक्त रूप से करेंगे।

वहीं, 5 सितंबर को दोपहर 3 बजे से नमो दही हांडी प्रतियोगिता, भजन संध्या एवं नृत्य-नाट्य मंचन का आयोजन होगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार करेंगे।

मुंबई और वृंदावन के कलाकार देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुति : आयोजन में मुंबई की सतीश कृष्णमूर्ति एंड पार्टी के करीब 40 कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा वृंदावन एवं मथुरा के राजेश शर्मा एंड पार्टी द्वारा श्री कृष्ण की रासलीला एवं विभिन्न झांकियों की प्रस्तुति दी जाएगी।

पुरुष और महिला गोविंदा टीमों के लिए अलग-अलग पुरस्कार : नमो दही हांडी प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला गोविंदा टीमें हिस्सा ले सकेंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कुछ नियम एवं शर्तें निर्धारित की गई हैं। 18 वर्ष से कम आयु के प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी।

महिला गोविंदा टीम के लिए दही हांडी की ऊंचाई 20 फीट, जबकि पुरुष गोविंदा टीम के लिए 25 फीट रखी गई है।

पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 71,000 रुपये एवं द्वितीय पुरस्कार 41,000 रुपये रखा गया है। वहीं महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 51,000 रुपये एवं द्वितीय पुरस्कार 31,000 रुपये प्रदान किया जाएगा।

वंदे मातरम थीम पर सजेगा आयोजन स्थल : मुख्य संरक्षक संजय सेठ ने बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इस वर्ष जन्माष्टमी महोत्सव के आयोजन स्थल को वंदे मातरम की थीम पर सजाया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ भी वंदे मातरम के साथ किया जाएगा। समिति ने पुरुष एवं महिला गोविंदा टीमों तथा बाल गोपाल झांकी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से 3 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की है। प्रतिभागी मेन रोड स्थित केडिया साइकिल एवं स्टेशन रोड स्थित पतंजलि से फॉर्म प्राप्त कर पंजीकरण करा सकते हैं। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा एवं मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत ने श्री कृष्ण भक्तों से आगामी 4 एवं 5 सितंबर को सपरिवार एवं इष्ट-मित्रों के साथ महोत्सव में शामिल होने की अपील की है। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान संरक्षक अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा, उप महापौर नीरज कुमार, वरुण साहू, रविंद्र मोदी, ऐश्वर्य सेठ, रमेन्द्र कुमार, सतीश सिन्हा, ललन श्रीवास्तव, पूनम आनंद, भीषम सिंह, नीरज चौधरी, संजय जायसवाल, शंकर दुबे, राजीव वर्मा, संतोष सेठ, संजय गोयल, सतेन्द्र सिंह गुड्डू, आनंद श्रीवास्तव एवं राहुल सिंहा चंकी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बारिश में परसिया का दलित टोला बना टापू

200 ग्रामीणों का संपर्क कटा 2-3 फीट पानी में डूबी मुख्य सड़क

बच्चों की पढ़ाई प्रभावित; बाइक-चारपहिया तक पहुंचना मुश्किल

संवाददाता

चतरा। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने हंटरगंज प्रखंड के तरवागडा पंचायत के परसिया दलित टोला के लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के बाद टोले की मुख्य सड़क पर दो से तीन फीट तक पानी जमा हो गया है। करीब 40 घरों में रहने वाले लगभग 200 ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। हालत यह है कि टोले तक बाइक पहुंचना भी मुश्किल हो गया है, जबकि चारपहिया वाहन भी पानी में फंसने के डर से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।ग्रामीणों के अनुसार टोले के मुख्य रास्ते के पास स्थित आहर बारिश के पानी से लबालब भर गया है। आहर का पानी बढ़ते ही सड़क पर फैल जाता है। फिलहाल पूरी सड़क पानी में डूबी हुई है। इससे ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम के लिए हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय समेत अन्य जगहों तक जाने में परेशानी हो रही है।

बच्चों की पढ़ाई पर भी असर : सड़क पर पानी जमा होने का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी अधिक होने के कारण छोटे बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। रास्ता कब साफ होगा, इसका कोई भरोसा नहीं रहता। ऐसे में बारिश के दिनों में बच्चों की पढ़ाई लगातार प्रभावित होती है।

बीमार पड़े तो बढ़ सकती है परेशानी : ग्रामीणों को सबसे ज्यादा चिंता आपात स्थिति को लेकर है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि टोले में कोई अचानक बीमार पड़ जाए या किसी महिला को अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़े तो पानी भरे रास्ते के कारण वाहन पहुंचाना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में मरीज को पानी के बीच से बाहर लाना पड़ सकता है।

हर वर्ष बारिश में बन जाते हैं टापू : ग्रामीणों का कहना है कि परसिया दलित टोला में यह समस्या पहली बार नहीं हुई है। हर वर्ष बारिश के मौसम में आहर भरते ही सड़क पर पानी जमा हो जाता है और पूरा टोला कुछ समय के लिए ह्यटापूह्व में तब्दील हो जाता है। बारिश थमने और पानी उतरने के बाद ही ग्रामीणों को राहत मिलती है।मुखिया चमेली देवी सहित ग्रामीणों ने प्रशासन से समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने सड़क को ऊंचा कराने, पानी की निकासी के लिए पक्का इंतजाम करने अथवा वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि बारिश के दिनों में टोले का संपर्क बाकी इलाके से नहीं कटे। इधर जानकारी मिलने के बाद हंटरगंज अंचलाधिकारी रितिक कुमार और जिप अध्यक्ष ममता कुमारी गांव पहुंचे। दोनों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्या सुनी और जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से आश्वासन को जल्द जमीन पर उतारने की मांग की है।

भारी बारिश के बीच रांची नगर निगम अलर्ट

53 वार्डों में चला विशेष नाली सफाई अभियान

संवाददाता

रांची : लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए रांची नगर निगम ने जलजमाव की स्थिति से निपटने और जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष अभियान तेज कर दिया है। निगम की टीमें अलर्ट एवं सक्रिय मोड में लगातार कार्य कर रही हैं।

निगम के करीब 1200 सफाई मित्रों ने सभी 53 वार्डों में विशेष नाली सफाई अभियान चलाया। इस दौरान शहर के करीब 45 प्रमुख स्थानों पर जाम नालियों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त की गई। अभियान में 4 जेसीबी, 2 सुपर सकर मशीन सहित मानव बल और अन्य संसाधनों का इस्तेमाल किया गया।

स्टेशन रोड, अरगोड़ा, डिबडीह, एफसीआई गोदाम रोड, मकचुनटोली, दिनकर नगर, तुपुदाना, एजी कॉलोनी, पीपी कंपाउंड, प्रताप गली, बड़ा घाघरा, सेवा सदन, शुक्ला कॉलोनी, बायपास रोड, बड़ा तालाब, बरियातू और खोरहा टोली सहित विभिन्न क्षेत्रों में नालियों की गहन सफाई की गई।

वहीं आशा श्री गार्डन क्षेत्र में गाद हटाने के साथ डायवर्जन की सफाई की गई। बंगला फॉलोनी, फाटाटोली और जोरार-नामकुम क्षेत्र में सुपर सकर मशीन से जाम नालियों की सफाई की गई। नाली जाम से जुड़ी शिकायतों पर निगम की त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) ने पुरुलिया रोड, धुर्वा, गंगा नगर और बर्धमान कंपाउंड में तत्काल कार्रवाई कर समस्याओं का निष्पादन किया।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान नालियों में कूड़ा-कचरा न डालें। जलजमाव या नाली जाम की शिकायत के लिए निगम के टोल फ्री नंबर 1800-570-1235 पर संपर्क किया जा सकता है। निगम ने कहा है कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

बरसाती नाले में बहा वन विभाग का पशुरक्षक, मौत

चतरा। जिले के मयूरहंड थाना क्षेत्र के करकरा पचमु जंगल में मंगलवार की देर शाम वन विभाग द्वारा पशुरक्षक के रूप में तैनात 45 वर्षीय राजकुमार भुइयां की बरसाती नाले में बहने से मौत हो गई। पशु रक्षक का शव आज तड़के बन्हा चेकडैम के समीप से बरामद किया गया। मृतक हुसिया पंचायत के करकरा गांव का निवासी था। घटना की पुष्टि करते हुए वन विभाग के दक्षिणी वन प्रमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि मृतक करकरा के जंगली क्षेत्र में तैनात थे। मंगलवार की शाम अपने काम से लौटने के दौरान मृतक एक बरसाती नाले में बह गए। घर नहीं पहुंचने पर परिजनो ने सारी रात इन्हें ढूंढा। आज तड़के इनका शव नाले में पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि मृतक करकरा गांव के ग्रामीण थे।इनको जंगली क्षेत्र में पशुओं की रक्षा के लिए दिहाड़ी मजदूर के रूप में रखा गया था। बताया कि दाह संस्कार के लिए विभाग की ओर से आर्थिक सहयोग किया जाएगा। वहीं मयूरहंड के अंचल अधिकारी (सीओ) मनीष कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना की प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात आपदा राहत कोष के तहत मृतक के परिजनों को चार लाख रु की मुवावजा राशी दी जाएगी।

निजी नर्सिंग होम में मरीज की मौत के बाद हंगामा, अस्पताल में तोड़फोड़

चतरा। जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र स्थित निजी नर्सिंग होम सेफ जोन में इलाज के दौरान 50 वर्षीय मरीज अशोक राम की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। मरीज की मौत से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी।सूचना मिलने पर इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने डॉक्टर और नर्स समेत चार लोगों को बचाकर बाहर निकाला। परिजनों के अनुसार, सोमवार रात करीब 1:30 बजे अशोक राम को सीने में दर्द की शिकायत के बाद सेफ जोन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक के भाई उमेश रविदास का आरोप है कि एक नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाते ही मरीज की स्थिति बिगड़ गई। जब परिजनों ने बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर करने का अनुरोध किया,तब मौजूद पर मौजूद डॉक्टर कुद्दुस के पिता रियाज मियां ने उन्हें यह कहकर रोक दिया कि डॉक्टर साहब बस आ ही रहे हैं। थोड़ा समय दो, सब ठीक हो जाएगा। इसके कुछ ही देर बाद मरीज की मौत हो गई। इस बाबत इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि निजी अस्पताल में तोड़फोड़ की गई है। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। कहा कि आवेदन के पश्चात कार्रवाई की जाएगी।

बाल श्रम के विरुद्ध विशेष जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान में 15 बाल श्रमिक मुक्त

एनसीपीसीआर के मार्गदर्शन एवं उपायुक्त के निर्देश पर जून से 31 अगस्त तक चला विशेष अभियान

संवाददाता

चतरा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मार्गदर्शन एवं उपायुक्त, चतरा के निर्देशानुसार जिले में जून 2026 से 31 अगस्त 2026 तक बाल श्रम के विरुद्ध विशेष जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान संचालित किया गया।अभियान के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों में संभावित बाल श्रम वाले स्थलों, दुकानों, होटलों, ढाबों एवं अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर जागरूकता एवं रेस्क्यू की कार्रवाई की गई।अभियान के क्रम में धावा दल द्वारा प्रतिष्ठान संचालकों एवं आम नागरिकों को बाल श्रम के कानूनी प्रावधानों, इसके दुष्परिणामों तथा बच्चों के शिक्षा, संरक्षण एवं सुरक्षित बचपन के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। संभावित बाल श्रम वाले प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान बाल श्रम में नियोजित पाए गए कुल 15 बाल श्रमिकों को रेस्क्यू कर मुक्त कराया गया।रेस्क्यू किए गए बच्चों के संबंध में आवश्यक जांच एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करते हुए बालक एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 एवं अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

उपायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं धावा दल को बाल श्रम के विरुद्ध अभियान को प्रभावी एवं निरंतर रूप से संचालित करने तथा संभावित बाल श्रम वाले प्रतिष्ठानों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।जिला प्रशासन ने आम नागरिकों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से अपील की है कि बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम न कराया जाए तथा उन्हें शिक्षा, संरक्षण एवं सुरक्षित बचपन का अधिकार प्रदान किया जाए। किसी होटल, ढाबा, दुकान, गैराज, प्रतिष्ठान अथवा अन्य कार्यस्थल पर बाल श्रम की जानकारी मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, संबंधित प्रशासनिक पदाधिकारी, श्रम विभाग अथवा जिला बाल संरक्षण इकाई को सूचना देने की अपील की गई है।बाल श्रम मुक्त चतरा के निर्माण के लिए जिला प्रशासन, संबंधित विभागों एवं आम नागरिकों के समन्वित प्रयास को आवश्यक बताया गया है। इस विशेष अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला परियोजना सहायक, चतरा, बाल कल्याण समिति के सदस्य, चाइल्ड हेल्पलाइन के कर्मी,एलजीएसएस के प्रतिनिधियों एवं संबंधित थाना के पुलिस बल का सहयोग रहा।

भारी बारिश से मसोमात प्यारी देवी का मिट्टी का घर ध्वस्त, भुखमरी की स्थिति बनी

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर इलाके के चटनियां गांव में सोमवार की रात हुई भारी बारिश के बाद मंगलवार की सुबह मसोमात प्यारी देवी पति स्व दुखहरन भुईयां का मिट्टी का घर ध्वस्त हो गया। घर ध्वस्त होने से पूरी तरह से खाद्य सामग्री नष्ट हो गई है। भुक्तभोगी के पुत्र सोनू कुमार ने बताया कि उसके परिवार को रहने की दिक्कत के साथ भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने जिला प्रशासन से मुवावजा देने की मांग की है।

झारखंड में आयुष्मान से जुड़े लंबित क्लेम पर सरकार सख्त

अस्पतालों के अटके भुगतान जल्द होंगे क्लियर

संवाददाता

रांची: झारखंड में आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री अबुआ, स्वास्थ्य सुरक्षा योजना और एएलक्र को लेकर सरकार द्वारा गंभीर समीक्षा की गई है। मंगलवार को अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी की बैठक हुई। जिसमें स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के लंबित दावों, अस्पतालों के भुगतान और लाभार्थियों को योजना से जोड़ने समेत कई अहम मुद्दों अहम निर्देश जारी किए गए।

नई बीमा कंपनी के चयन की तैयारी

बैठक में वर्तमान बीमा योजना की अवधि समाप्त होने को देखते हुए नई बीमा कंपनी के चयन के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया है। जसास को निर्देश दिया गया है कि पिछले सालों की योजना में जोड़ी गई नई सुविधाओं को शामिल करते हुए इसी माह तक विस्तृत प्रस्तुतीकरण तैयार किया जाए।

इसके साथ ही दूसरे राज्यों में जारी बीमा निविदाओं और उनकी शर्तों का अध्ययन भी किया जा रहा है, ताकि झारखंड में स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए बेहतर व्यवस्था तैयार की जा सके। बैठक में विभाग की विशेष सचिव डॉ। नेहा अरोड़ा, अपर सचिव सह कार्यकारी निदेशक शशि प्रकाश सिंह, जसास के परामर्शी तथा नेशनल इंश्योरेंस कंपनी और टाटा एआईजी के प्रतिनिधि भी शामिल थे।

बीमा कंपनियों के पास लंबित क्लेम होंगे प्राथमिकता पर

अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग अजय कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में बीमा कंपनियों के स्तर पर लंबित दावों को लेकर भी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। लंबित क्लेम का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने और उन्हें एनएचए की निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप लाने को कहा गया है।

वहीं, टीएमएस 1.0 और 2.0 में भुगतान की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद तकनीकी कारणों से अस्पतालों को राशि नहीं मिल पाने के मामलों का भी जल्द समाधान करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए बैंक, बीमा कंपनी और एनएचए की तकनीकी टीम के बीच समन्वय स्थापित कर अटके मामलों को सुलझाने पर जोर दिया गया।

बढ़ते क्लेम के बीच जसास में होगी नियुक्ति : स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के बढ़ते दावों को देखते हुए जसास में मानव संसाधन बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। रिक्त पदों को भरने के साथ डॉक्टर और डेटा एनालिस्ट की नियुक्ति पर विचार किया गया है। इससे दावों के निपटारे, डेटा की निगरानी और योजनाओं के संचालन में तेजी आने की उम्मीद है। बैठक में आशा कार्यकताओं, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका और उनके परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ने की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को इस प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा पात्र होने के बावजूद जिन लोगों का अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, उनका ई-केवाईसी कराकर सीएससी केंद्रों और अस्पतालों के माध्यम से कार्ड जारी कराने पर जोर दिया गया है।

सरकार ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पीडीएस डीलरों और सीएससी केंद्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र लाभार्थी दस्तावेजी या तकनीकी प्रक्रिया के कारण योजना के लाभ से वंचित न रहे।

रांची में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

देश-विदेश के विशेषज्ञ होंगे शामिल 57 शोध-पत्र होंगे प्रस्तुत

संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 2 एवं 3 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय विश्वविद्यालय अध्ययन एवं अनुसंधान विधि, रांची में ह्यमतदाता पंजीकरण एवं मतदाता सूचियां-2026ह्न विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन 2 सितंबर को सुबह 10 बजे से 11:30 बजे तक होगा।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन का आयोजन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, झारखंड द्वारा झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय अध्ययन एवं अनुसंधान विधि, रांची तथा संत जेवियर कॉलेज, रांची इसके ज्ञान सहयोगी संस्थान हैं। सम्मेलन में विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के कुलपति, निदेशक, प्राचार्य, शिक्षाविद् और निर्वाचन विशेषज्ञ शामिल होंगे। भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद सहित निर्वाचन एवं अकादमिक क्षेत्र के विशेषज्ञ भी सम्मेलन में भाग लेंगे। उद्घाटन सत्र में ह्यमतदाता पंजीकरण एवं मतदाता सूचियांह्न विषयक पुस्तक तथा सम्मेलन की स्मारिका का लोकार्पण किया जाएगा।

के। रवि कुमार ने बताया कि झारखंड को मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता सूची के विषय पर शोध का दायित्व सौंपा गया था। इसी क्रम में देश-विदेश के विभिन्न संस्थानों, शोधार्थियों एवं निर्वाचन विशेषज्ञों से शोध-पत्रों के सार आमंत्रित किए गए। कुल 230 शोध-सार प्राप्त हुए, जिनमें मूल्यांकन के बाद 80 का चयन किया गया। विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञों से प्राप्त शोध-पत्रों को मिलाकर अंतिम रूप से 57 शोध-पत्रों का चयन किया गया है। इनका प्रस्तुतीकरण सम्मेलन के अलग-अलग तकनीकी सत्रों में होगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शुद्ध, समावेशी, अद्यतन और विश्वसनीय मतदाता सूची लोकतांत्रिक निर्वाचन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। सम्मेलन में मतदाता पंजीकरण, निर्वाचक नामावली प्रबंधन, डिजिटल तकनीक, मतदाताओं की समावेशिता और लोकतांत्रिक भागीदारी से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से निर्वाचन प्रबंधन से जुड़े व्यावहारिक अनुभव और अकादमिक शोध को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है। सम्मेलन से प्राप्त सुझाव भविष्य में मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता सूची प्रबंधन को अधिक प्रभावी, समावेशी और विश्वसनीय बनाने में सहायक होंगे।

परिसीमन पर भाजपा के आरोप राजनीति से प्रेरित : कांग्रेस

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा नेता अमर बाउरी के बयान को राजनीति से प्रेरित और झारखंड की जनता को गुमराह करने वाला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के नाम पर आदिवासियों की राजनीतिक भागीदारी और आरक्षित सीटों को प्रभावित करने की साजिश केंद्र की भाजपा सरकार कर रही है। शाहदेव ने कहा कि भाजपा को परिसीमन के संवैधानिक एवं न्यायसंगत आधार को स्पष्ट करना चाहिए और प्रस्तावित मॉडल पर पारदर्शिता बरतनी चाहिए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़।

-: शुद्धि पत्र :-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0-25/2026-27 जिसकी PR No.387133 Building (26-27):D के ग्रुप सं0-02 को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

ह0/-
कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, रामगढ़।

PR 388796 Building(26-27)D

मुख्यमंत्री से आईआईटी मंडी के निदेशक ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में निदेशक आईआईटी मंडी, प्रो लक्ष्मीधर बेहरा ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री को उन्होंने इस्कॉन रांची द्वारा 04 सितंबर को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कटहल मोड़ में आयोजित होने वाले ह्लश्री कृष्ण जन्माष्टमी महामहोत्सवह्व में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही मुख्यमंत्री एवं उनके बीच राज्य में युवाओं के स्किल डेवलपमेंट, एआई, रोबोटिक्स एवं आधुनिक तकनीक की उपयोगिता के माध्यम से आर्थिक समृद्धि की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मौके पर मुख्यमंत्री ने उन्हें श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित महामहोत्सव के लिए अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर इस्कॉन रांची के प्रदीप एवं सुधीर कृष्ण चैतन्य दास उपस्थित थे।

सीएम से आईएफएस अंजू रंजन ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी अंजू रंजन ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में गौतम सागर राणा और कैलाश यादव बरी

रांची : आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा तथा प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव को अदालत से राहत मिली है। जीआर केस नंबर 200/2024 में दोनों नेताओं को अदालत ने आरोपमुक्त कर दिया। राजद प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने मंगलवार को बताया कि मामले की सुनवाई एडीजे-1 सह सिविल जज (5) भूपेश चंद्र समद की अदालत में हुई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018-19 के विधानसभा चुनाव के दौरान जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में दोनों नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। मामले में इनफॉर्मेंट रंजना सोनी की शिकायत के आधार पर गौतम सागर राणा और कैलाश यादव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद मामले की न्यायिक प्रक्रिया लगातार चलती रही।

7 सितंबर का धरना झारखंड के हक और अधिकार की लड़ाई : कांग्रेस

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में आगामी 7 सितंबर को लोक भवन के समक्ष प्रस्तावित राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर कांग्रेस भवन में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और छात्र संगठन के पदाधिकारी प्रमुख रूप से शामिल हुए।

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 7 सितंबर का कार्यक्रम सिर्फ कांग्रेस का नहीं, बल्कि झारखंड के हक, अधिकार और जनता की आवाज को बुलंद करने का संघर्ष है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड के खनिज संसाधनों और राज्य के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस किसी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने राम मंदिर के नाम पर प्राप्त चंदे में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच और चंदे का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही युवा, महिला और छात्र संगठनों को गांव, मोहल्ले, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय स्तर पर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, संगठनात्मक जिम्मेदारियों और जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने दावा किया कि 7 सितंबर का धरना-प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा और कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होकर झारखंड के अधिकारों के पक्ष में आवाज बुलंद करेंगे। बैठक में रियाज अंसारी, सुरन राम, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रामा खलखो, मेरी तिर्की, सुंदरी तिर्की, नीतू देवी, युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार, राजेश सिन्हा सनी, शिल्पी वर्मा, विनय उरांव, विश्वजीत सिंह, सद्दाम खान सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा को जनहित से कोई सरोकार नहीं : लाल किशोर

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा को जनहित और राज्य के अधिकारों से कोई लेना-देना नहीं है। एमएमडीआर कानून में केंद्र सरकार द्वारा किए गए संशोधन झारखंड जैसे समृद्ध राज्य के आर्थिक हितों पर सीधा हमला हैं। राज्य सरकार झारखंड के जल, जंगल और जमीन के हक की लड़ाई लड़ रही है, जिसे भाजपा ह्लराजनीतिह्व कहकर राज्य की जनता और यहां के संसाधनों का अपमान कर रही है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

ई0 सामान्य निविदा आमंत्रण सूचना

ई-निविदा सं० :RDSD/RAMGARH/22/2026-27

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :-DMFT मद अन्तर्गत।

क्र	आईडेन्टीफिकेशन संख्या /पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	RDSD/RGH/22/2026-27	Dulmi	Construction of Slab Bridge over Ambagarha river at Village Jamira in Dulmi Block, Dist-Ramgarh.	16819900	337000	10000	12 (बारह माह)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :- दिनांक 18.09.2026
3. ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :- दिनांक 18.09.2026 से 24.09.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई-निविदा खोलने का स्थान :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 26.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :- 7488152930
8. परिमाण विपत्र की राशि घट-बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबधित संवेदक की होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट *Jharkhandtenders.gov.in* एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

PR 388727 Rural Work Department(26-27)#D

परिसीमन विवाद पर भाजपा का कांग्रेस पर जुबानी हमला

संवाददाता

303

रांची : झारखंड में परिसीमन के मुद्दे को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कांग्रेस पर परिसीमन मामले में झूठ और दोहरी राजनीति करने का आरोप लगाया है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि मौजूदा परिसीमन विवाद के लिए कांग्रेस की पूर्व की नीतियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी से 2008 में लिए गए फैसलों को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।

अमर बाउरी ने कहा कि 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का प्रस्ताव रखा था, जिससे झारखंड में आदिवासी आरक्षित सीटों की संख्या 28 से घटकर 22 होने की स्थिति बन रही थी। भाजपा ने जनजातीय हितों को ध्यान में रखते हुए संविधान के 84वें संशोधन के लिए यूपीए सरकार का समर्थन किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि आज कांग्रेस आदिवासी सीटों के घटने को लेकर जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि अभी परिसीमन आयोग का गठन तक नहीं हुआ है और न ही कोई प्रस्ताव सामने आया है।

बाउरी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि इस बार परिसीमन का आधार केवल जनसंख्या नहीं होगा। उन्होंने 50 प्रतिशत सीट बढ़ोतरी के मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि 81 विधानसभा सीटें बढ़कर 121 हो सकती हैं। इसी अनुपात में एसटी सीटें 28 से बढ़कर 42 और एससी सीटें 9 से बढ़कर 14 हो सकती हैं। उन्होंने झामुमो और कांग्रेस से इस मॉडल पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा हमेशा आदिवासी समाज के हित और सम्मान के लिए खड़ी रही है। उन्होंने अलग झारखंड राज्य के गठन, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करने और द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाए जाने को भाजपा की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। प्रेसवार्ता में प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाइक, प्रकाश सिंह और मीडिया सह प्रभारी नीरज सिंह मौजूद रहे।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद, रामगढ़

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- 18/2026-27

मद का नाम- DUF

1. निविदादाता का नाम : जिला अभियंता, जिला परिशद, रामगढ़।
2. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : जिला परिषद् कार्यालय, रामगढ़।
3. परिमाण विपत्र बिक्री हेतु आवेदन प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 09.09.2026 को कार्यालय अवधि तक।
4. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक 11.09.2026 को कार्यालय अवधि तक।
5. निविदा प्राप्त करने का स्थान : जिला परिषद कार्यालय, रामगढ़।
6. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 12.09.2026 को 03:00 बजे अपराह्न तक।
7. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.09.2026 को 03:30 बजे अपराह्न।
8. निविदा खोलने का स्थान : जिला परिषद कार्यालय, रामगढ़।
9. कार्य की विस्तृत विवरणी : -

ग्रुप सं०	प्रखण्ड का नाम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	Patratu	Miscellaneous Development Work in Rajrappa Tourism Area.	24,82,400.00	50,000.00	5,000.00	02 माह
2	Patratu	Laying of Paver Block Near Temporary Shops Block A & E in Rajrappa Tourism Area (Part 2)	7,12,100.00	15,000.00	1,250.00	02 माह

निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं० - 7903458706

10. इस निविदा में जिला परिषद, रामगढ़ में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग ले सकेंगे।
11. परिमाण विपत्र क्रय हेतु आवेदन के साथ वैध आचरण प्रमाण पत्र एवं निबंधन प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
12. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रुप में स्वीकार किया जायेगा जो लौटाया नहीं जायेगा। बैंक ड्राफ्ट **DISTRICT ENGINEER, DISTRICT BOARD, RAMGARH** के पदनाम से Payable at Ramgarh देय होगा।
13. निविदा से संबंधित अन्य शर्तें जिला परिषद, रामगढ़ के कार्यालय सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

ह०/-
जिला अभियंता,
जिला परिषद, रामगढ़।

PR 388789 (District) 26-27 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बच्चों में आई फोन का बढ़ता एडिक्शन

आज के डिजिटल क्रांति के युग में मोबाइल फोन बच्चों की दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। पढ़ाई, मनोरंजन और लोगो से संपर्क के लिए इसका प्रचलन इस कदर बढ़ गया है कि इसके बिना जीने की कल्पना मात्र से युवा सिहर जाते है। इसकी उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन आज युवाओं के मध्य महंगे और ब्रांडेड फोन, खासकर आई फोन को लेकर बढ़ती दीवानगी माता-पिता के लिए चिंता का सबब बन रही है। कई बच्चे फोन को अपनी जरूरत से ज्यादा स्टेटस सिंबल मानने लगे हैं। इसी एडिक्शन का शिकार हुआ महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर (औसा)का कुणाल, जिसने आई फोन की जिद में अपनी जिंदगी को ही दांव पर लगा दिया । ना सिर्फ अपने बल्कि अपने मां-बाप की जिंदगी को भी अपनी जिद की भेंट चढ़ा दिया। कुणाल जो 19 वर्ष का था अपनी आई फोन खरीदने की जिद के कारण पहाड़ी से कूद कर जान देने की कोशिश करने लगा उसको बचाने में पिता गिर गए और इस सदमे में उसकी मां भी पहाड़ी से कूद गई। खबरों से पता चला कि उसने आई फोन खरीद लिया था पर ईएमआई भरना उसके बस की बात नहीं थी। उसने परिवार से जिद की, परिवार वालों ने समझाया कि उनकी हैसियत इतनी नहीं है कि वह ईएमआई भर पाए । बस वह अपनी जिद पूरी करने और घरवालों पर मानसिक दबाव बनाने के लिए पहाड़ी पर चला गया और कहने लगा कि नहीं भरोगे तो नीचे कूद जाऊंगा। इसी घटनाक्रम में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो जाती है। बच्चों में आई फोन की इस बढ़ती चाहत के पीछे सोशल मीडिया, दोस्तों के समूह का प्रभाव और विज्ञापनों की बड़ी भूमिका है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म पर महंगे फोन को सफलता , सम्पन्नता और आधुनिक जीवनशैली से जोड़कर दिखाया जाता है। जब एक बच्चा अपने दोस्तों के हाथ में नया आई फोन देखता हैं तो उसके मन में भी वैसा ही फोन पाने की ललक पैदा होती है। कई बार यह इच्छा इतनी तीव्र होती है कि वह इसके लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाता हैं।वह चोरी ,डकैती या कोई भी अपराध करने को भी तैयार हो जाता है।इस प्रकार जिद और सामाजिक दबाव में वह अपना विवेक खोकर किसी भी कीमत पर अपनी इच्छा की पूर्ति करना चाहता है। इस प्रवृत्ति का असर केवल परिवार के बजट पर नहीं, बल्कि बच्चों की सोच पर भी पड़ता है। यदि बच्चा अपनी पहचान को सिर्फ महंगे फोन और ब्रांडेड वस्तुओं से जोड़ने लगे, तो उसमें दिखावे और तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है। ये हम सभी जानते है कि मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से पढ़ाई, नींद , एकाग्रता प्रभावित होती है। इसका समाधान बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर करना नहीं है, क्योंकि ऐसा कर पाना मुश्किल है । स्मार्टफोन आज शिक्षा, संपर्क और जानकारी का महत्वपूर्ण साधन है। जरूरत है कि माता-पिता, शिक्षक बच्चों को तकनीक और उपभोक्तावाद के बीच अंतर समझाएं। फोन खरीदते समय उसकी कीमत या ब्रांड के बजाय उसकी उपयोगिता, जरूरत और परिवार की आर्थिक क्षमता को देखे।इसका सीमित और जरूरत पूर्ति के लिए प्रयोग हो। युवा डिजिटल दुनिया और दिखावे में इसलिए फंस रहे हैं क्योंकि आज सोशल मीडिया ने तुलना, लोकप्रियता और उपभोग को जीवनशैली का हिस्सा बना दिया है । सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का चमकदार पक्ष दिखाते हैं। इससे युवाओं में तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है । ये देखकर वे अपनी जिंदगी को कमतर समझने लगते हैं। वर्तमान समय में युवा लाइक और फॉलोअर्स की संख्या को ही सब कुछ समझ ने लगे है। यह डिजिटल लोकप्रियता युवाओं के आत्मसम्मान से जुड़ने लग रही है। ज्यादा लाइक और फॉलोअर्स को ही आज सफलता का पैमाना माना जा रहा है। यह दिखावे की संस्कृति इस कदर युवाओं पर हावी हो गई है कि महंगे फोन, कपड़े, गाड़ियां, घूमने की जगहें और पार्टियां सोशल मीडिया पर नाम और प्रतिष्ठा के प्रतीक बन गए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आते विज्ञापन लगातार ऐसी चीजें सामने लाते हैं जो युवाओं में खरीदने और बेहतर दिखने की इच्छा पैदा करती हैं। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और सफलता बहुत आसान दिखाई देती है। इससे मेहनत, धैर्य और वास्तविक उपलब्धियों का महत्व कम होने लगता है। इस डिजिटल दुनिया में हजारों की संख्या में फ्रेंड होने के बावजूद आज कई युवा अपनी जिन्दगी में अकेलेपन से जूझ रहे हैं।कई बार वास्तविक जीवन में संवाद की कमी को युवा डिजिटल दुनिया में समय बिताकर पूरा करने की कोशिश करते हैं।

आज असली चुनौती इस डिजिटल दुनिया के प्रभाव को समझना है जो एक नशे की तरह उन्हें अपनी गिरफ्त में लेती जा रही है। युवाओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली जिंदगी पूरी तरह से सच नहीं होती। जीवन की वास्तविक सफलता महंगे फोन, ब्रांडेड सामान, लाइक या फॉलोअर्स में नहीं, बल्कि परिश्रम , ज्ञान, चरित्र , परिवार और आत्म विश्वास में है।

वर्तमान में माता पिता बच्चे की हर जरूरत पूरी करने को ही अपनी पेरेंटिंग समझ रहे है। कही न कही परिवार में संवाद कम हुआ है। हर घर में मोबाइल संस्कृति इस कदर हावी है कि चार लोग एक कमरे में बैठ कर भी अपने- अपने मोबाइल में बिजी दिखते है।माता-पिता को बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करनी चाहिए और उन्हें समझाना चाहिए कि किसी महंगे फोन, गैजेट्स का होना सफलता या श्रेष्ठता का पैमाना नहीं है। बच्चों को खेल, किताबों, रचनात्मक गतिविधियों और वास्तविक सामाजिक संबंधों के लिए भी पर्याप्त समय देना जरूरी है। स्मार्टफोन अपने आप में समस्या नहीं है;, समस्या तब पैदा होती है जब वस्तु जरूरत से बढ़कर मान सम्मान, प्रतिष्ठा और पहचान का प्रतीक बन जाती है। बच्चों को तकनीक का समझदारी और संयम से इस्तेमाल करना सिखाना ही इस बढ़ती सनक का सबसे बेहतर समाधान है। बच्चे का व्यक्तित्व और संस्कार ही उसकी असली पहचान है। संवाद, समझाइश, समय और संयम के साथ परिवार के संस्कार उसे इस प्रकार के एडिक्शन और आभासी दुनिया से दूर रखने में सहायक हो सकते है।

जंगलों पर जहरीला वार

मंडी की थाची रेंज में ऐसे मामले सामने आने के बाद वन विभाग के कर्मियों द्वारा मटर की फसल बर्बाद करने की कार्रवाई की गई है। पिछले वर्ष जब थुनाग, जंजैहली क्षेत्र में बरसात में भारी तबाही हुई थी उस समय भी ऐसी बातें निकली थीं कि उस क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में पौधनाशक रसायनों का छिड़काव करके मटर लगाया गया था, जिससे भूस्खलन से नुकसान में भारी बढ़ोतरी हुई। अभी जो मामला सामने आया है उससे एक सवाल तो यह भी पैदा होता है

कुलभूषण उपमन्यु

इन दिनों हिमाचल प्रदेश के वनों में ग्लाइफोसेट और पैराकुएट जैसे घातक पौधनाशकों के छिड़काव के बाद मटर की फसल बिजाई के मामले सामने आए हैं। मंडी की थाची रेंज में ऐसे मामले सामने आने के बाद वन विभाग के कर्मियों द्वारा मटर की फसल बर्बाद करने की कार्रवाई की गई है। पिछले वर्ष जब थुनाग, जंजैहली क्षेत्र में बरसात में भारी तबाही हुई थी उस समय भी ऐसी बातें निकली थीं कि उस क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में पौधनाशक रसायनों का छिड़काव करके मटर लगाया गया था, जिससे भूस्खलन से नुकसान में भारी बढ़ोतरी हुई। अभी जो मामला सामने आया है उससे एक सवाल तो यह भी पैदा होता है कि क्या यह एकाकी मामला है या हिमाचल में अन्य जगह पर भी इस तरह का वन विनाश हो रहा है। सरकार को चाहिए कि तत्काल पूरे प्रदेश में जहां जहां बेमौसमी मटर और अन्य बेमौसमी सब्जियों का कारोबार हो रहा है, वहां सर्वे करवा कर देखा जाए कि खेतों के बाहर जंगल में तो सब्जियां नहीं उगाई जा रहीं।

हिमाचल प्रदेश में वन भूमि पर कब्जा करके खेती करने या छोटा मोटा आश्रय या गोशाला बना कर जम जाने का पुराना इतिहास रहा है। खासकर जब से व्यवसायिक खेती की बात आगे बढ़ी है, तबसे इस प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हुई है। 80 के दशक में चिपको आंदोलन के सिलसिले में मैंने आदरणीय सुंदरलाल बहुगुणा जी के साथ पूरे हिमाचल का भ्रमण किया था। उसके बाद भी हम लोग दूरदराज इलाकों में हर वर्ष पैदल यात्राएं करते थे। उस समय आलू और सेब के लिए वन भूमि पर कब्जे की प्रक्रिया चल रही थी। पहले ढलानों को धीरे-धीरे नेपाली मजदूर रख कर साफ करवाया जाता और उसमें आलू लगाने के साथ-साथ सेब के पौधे लगा लिए जाते।

वह वनों में काटो और कमाओ के नारे का युग था। प्राइवेट सेल के माध्यम से किसानों की जमीन के नाम पर निजी ठेकेदार जंगल से भारी मात्रा में इमारती लकड़ी काट कर उसमें मिला कर स्मगल कर लेते थे। नेरवा में इस तरह के धंधे में लिप्त लोगों के 72 हजार स्लीपर पकड़े गए थे। छाजपुर के जंगल में कई बगीचे पहले आलू के खेत बने फिर सेब के बगीचे बन गए। एक पदयात्रा में 1986 के आसपास जुब्बल और ननखड़ी के बीच में चूंजर में पुराने तालाब और उससे लगती ढलानों में आलू की खेती हो रखी थी। किंतु तब तक यह काम छोटे पैमाने पर था। हाथ से खुदाई करते समय लगता था। किंतु इन पौधनाशक रसायनों ने तो काम बहुत ही आसन कर दिया है। छिड़काव करो और ढलान में सीधे मटर या अन्य सब्जियां लगा दो। ढलान में जो स्थायी खेत बने हैं, उनको सीढ़ीदार खेत बना कर खेती होती है, जिससे भूमि कटाव नहीं होता है। किंतु यह तो फटाफट मामला है और मेहनत भी कम। बेमौसमी सब्जी के दाम भी ऊंचे मिल जाते हैं, जिससे यह लाभकारी गतिविधि बन गई है। इसलिए बहुत ही सावधानी और सतत निगरानी की जरूरत आन पड़ी है।

हैरानी की बात है कि वन विभाग के कानों तक यह बात इतनी देर से पहुंच रही है। इस तरह के कामों में कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण की भी बातें सामने आती हैं। लोग और विभाग भी कई बार जानते हुए भी चुप रहते हैं। किंतु अब तो यह मामला वनों के लिए एक बड़े खतरे का रूप ले चुका है। इसलिए सरकार को व्यापक अभियान चला कर पूरे प्रदेश में जहां-जहां बेमौसमी सब्जी का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है, वहां देखना चाहिए कि जंगल तो इसकी चपेट में न आ जाएं।

सरकार मिशन 32 प्रतिशत चला कर प्रदेश के 32 प्रतिशत भू-भाग पर वनीकरण की योजना बना रही है, किंतु ऐसी हालत में सफलता संदिग्ध ही रहेगी। इस रासायनिक छिड़काव से सबसे ज्यादा हानि 6 से 8 हजार फीट ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुर्लभ जैव विविधता को हो रही है। उपरोक्त योजना में लक्ष्य तो संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र को सुधारने का रखा गया है, जो वनों को देखने की सही दृष्टि है। किंतु इन रासायनिक हमलों से यदि वन क्षेत्र को नहीं बचाया गया तो यह लक्ष्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

ग्लाइफोसेट जैसे रसायन सब तरह से घातक हैं। इनके संपर्क में आने से कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। जैव विविधता के नाश से आजीविका के भी कई संसाधन नष्ट हो जाते हैं। ये रसायन वनक्षेत्र की मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं को नष्ट करके कार्बन प्रचूषण क्षमता को भारी नुकसान पंहुचाते हैं। जगलों से बह कर ये रसायन आसपास के जलस्त्रोतों को जहरीला बना कर जल जीवों के लिए भी खतरा बन जाते हैं। इन रसायनों से प्रभावित मिट्टी में जो फसल पैदा होती है उसमें भी इनके जहरीले तत्व आने की पूरी संभावना रहती है, जिस पर भी शोध किया जाना चाहिए।

केरल सरकार इन रसायनों को पहले ही प्रतिबंधित कर चुकी है। केंद्र सरकार ने भी इस आशय के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन रसायनों की बिक्री पर ही प्रतिबंध लग जाना चाहिए। राज्य में कृषि बीज और कीटनाशक दवाइयां बिक्री करने वाले ही इन दवाओं को उपलब्ध करवाते हैं और इन रसायनों को बनाने वाली कंपनियां नई नई लुभावनी जानकारियां विज्ञापनों के माध्यम से फैलाती रहती हैं।

(लेखक, पर्यावरणविद् और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं।)

युवा शक्ति के हाथों फिर विश्वगुरु बनेगा भारत

भारतीय मूल के लगभग चार करोड़ लोग आज दुनिया के विभिन्न देशों में रह रहे हैं। वे अपनी कर्मभूमि के देशों में योगदान देते हुए भारत की संस्कृति, कार्यशीलता और उद्यमशीलता का परिचय भी देते हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिकों की औसत वार्षिक आय स्थानीय औसत आय की तुलना में काफी अधिक बताई जाती है। सिलिकॉन वैली से लेकर यूरोपीय देशों तक भारतीय प्रतिभा की उपस्थिति आज स्पष्ट दिखाई देती है।

प्रहलाद सबनानी

भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में अपनी पहचान बना चुका है। विश्व के अनेक विकसित देशों में जन्म दर लगातार घट रही है, औसत आयु बढ़ रही है और कार्यशील जनसंख्या का अनुपात कम हो रहा है। ऐसे समय में भारत के पास विशाल युवा शक्ति मौजूद है। यही युवा शक्ति आने वाले दशकों में भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीक, उद्योग, विज्ञान और वैश्विक प्रभाव की दिशा तय करेगी।

भारत की लगभग 68 प्रतिशत आबादी 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में है। 26 प्रतिशत आबादी 10 से 24 वर्ष के बीच है। 50 प्रतिशत से अधिक भारतीयों की आयु 25 वर्ष से कम है, जबकि 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। भारतीय नागरिकों की औसत आयु लगभग 28.4 वर्ष है। यह स्थिति भारत को एक बड़े जनसांख्यिकी लाभांश का अवसर देती है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार जनसांख्यिकी लाभांश उस आर्थिक क्षमता को कहा जाता है, जो आबादी की आयु संरचना में बदलाव से उत्पन्न होती है। जब कार्यशील आयु वर्ग की आबादी गैर-कार्यशील आयु वर्ग से अधिक हो जाती है, तब देश के सामने आर्थिक प्रगति का बड़ा अवसर पैदा होता है। भारत इस अवसर की खिड़की में प्रवेश कर चुका है और आगामी दशकों तक इसका लाभ उठा सकता है।

दुनिया की जरूरत अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में कार्यशील आयु वर्ग के नागरिकों की संख्या 104 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इसी अवधि में भारत का निर्भरता अनुपात अपने इतिहास के न्यूनतम स्तर 31.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। आगामी दशक में वैश्विक कार्यबल में होने वाली वृद्धि में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाली है। यूरोप, जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कई अन्य विकसित देशों के सामने वृद्ध होती आबादी तथा कुशल कामगारों की कमी बड़ी चुनौती बन रही है। स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग, विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक, निर्माण और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभाओं की मांग तेजी से बढ़ी है।

भारतीय मूल के लगभग चार करोड़ लोग आज दुनिया के विभिन्न देशों में रह रहे हैं। वे अपनी कर्मभूमि के देशों में योगदान देते हुए भारत की संस्कृति, कार्यशीलता और उद्यमशीलता का परिचय भी देते हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिकों की औसत वार्षिक आय स्थानीय औसत आय की तुलना में काफी अधिक बताई जाती है। सिलिकॉन वैली से लेकर यूरोपीय देशों तक भारतीय प्रतिभा की उपस्थिति आज स्पष्ट दिखाई देती है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले वर्ष भारतीय मूल के नागरिकों ने लगभग 14,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर भारत भेजे। यह दुनिया में किसी देश को प्राप्त होने वाली सबसे बड़ी रेमिटेंस राशि के रूप में सामने आती है। कौशल बनेगा वैश्विक रोजगार का पासपोर्टदेश से प्रतिवर्ष लाखों लोग रोजगार और व्यवसाय के अवसरों की तलाश में विदेशों का रुख कर रहे हैं। जापान, इजराइल, वियतनाम, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय कुशल कामगारों की मांग बढ़ रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन देशों में करोड़ों कुशल कामगारों की कमी उत्पन्न हो सकती है। भारत सरकार ने इस वैश्विक अवसर को ध्यान में रखते हुए युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, उड़ान, संकल्प, प्रशिक्षु अधिनियम के अंतर्गत प्रशिक्षण, महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, कौशल ऋण योजना और भारतीय कौशल संस्थान जैसी अनेक पहलें शुरू की हैं।

भारत हर वर्ष 25 लाख से अधिक कुशल कामगार तैयार कर रहा है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवा ऐसे हैं जो शिक्षा, प्रशिक्षण या रोजगार से जुड़े हुए नहीं हैं। एक हालिया प्रतिवेदन के अनुसार लगभग आठ करोड़ युवा आज अध्ययन, कौशल विकास या रोजगार की मुख्यधारा से बाहर हैं। यह स्थिति भारत के सामने मौजूद अवसर को बड़ी चुनौती में भी बदल सकती है। युवा शक्ति की संख्या अपने आप आर्थिक शक्ति में परिवर्तित नहीं होती। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटल दक्षता, स्वास्थ्य, अनुशासन, उद्यमशीलता और रोजगार के अवसरों का मजबूत तंत्र आवश्यक है। विदेशों से समझौते और नए रास्तेभारत विभिन्न देशों के साथ प्रवास एवं गतिशीलता साझेदारी समझौतों के माध्यम से युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय रोजगार के रास्ते सुगम बना रहा है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ हुए समझौतों का उद्देश्य भारतीय कामगारों और पेशेवरों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाना है। भारत विभिन्न देशों के साथ पारस्परिक मान्यता समझौतों पर भी काम कर रहा है। इससे भारतीय युवाओं की शिक्षा और कौशल को विदेशी संस्थानों में मान्यता मिलने का रास्ता आसान होगा। विदेश जाकर काम करने वाले भारतीयों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी समझौते महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस पूरी प्रक्रिया का व्यापक उद्देश्य यही है कि भारतीय युवा वैश्विक श्रम बाजार में सम्मानजनक अवसर प्राप्त करें और भारत अपनी विशाल मानव संसाधन शक्ति को आर्थिक सामर्थ्य में बदल सके। विदेश जाएं, सीखें और भारत लौटकर रोजगार पैदा करेंभारत की युवा शक्ति का महत्व विदेशों में रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। विदेशों में काम करने वाले भारतीय नई तकनीक, प्रबंधन पद्धति, उत्पादन तकनीक और वैश्विक बाजार की समझ हासिल कर भारत लौट सकते हैं। वे अपने अनुभव और पूंजी के आधार पर देश में नए व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं। यही प्रक्रिया भारत में रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती है। इससे उत्पादन बढ़ेगा, निर्यात को गति मिलेगी और भारतीय उद्योग वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेंगे। भारत के लिए आज युवा वर्ग एक अमूल्य राष्ट्रीय संपत्ति है। इसकी शक्ति को सही दिशा देना आने वाले वर्षों की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। युवा ऊर्जा को अराजकता नहीं, राष्ट्र निर्माण चाहिएहाल में दिल्ली के जंतर-मंतर पर जेन-जी युवाओं से जुड़े आंदोलन ने युवा शक्ति की दिशा पर भी चर्चा को जन्म दिया। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में युवाओं को अपनी बात रखने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। साथ ही सार्वजनिक विमर्श की भाषा, सामाजिक मयार्दा और भारतीय सांस्कृतिक संस्कारों का ध्यान रखना भी आवश्यक है। भारत जिस समय वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, उस समय युवा ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। असंतोष को ज्ञान, संवाद, नवाचार, उद्यम और सामाजिक परिवर्तन की शक्ति में बदलना होगा। देश के युवाओं के सामने आज रोजगार की तलाश के साथ राष्ट्र निर्माण का भी बड़ा अवसर है।

भारत की हजार मंदिरों का शहर

हमारे यहां भारत में घूमने-फिरने के लिए एक से बढ़कर एक जगहें मौजूद हैं। वहीं भारत घुमक्कड़ों से भरा हुआ है। आमतौर पर लोग पहाड़ों और बीच पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में स्प्रिचुअल टूरिस्म का क्रेज लोगों में काफी देखने को मिल रहा है। बता दें कि भारत में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जहां पर सिर्फ घूमना नहीं बल्कि इतिहास और आध्यात्मिकता को महसूस करना भी है। अक्सर धार्मिक जगहों के बारे में बात करते हुए मथुरा-काशी का जिक्र होता है। वहीं भारत में एक ऐसी जगह भी है, जिसको हजार मंदिरों वाली नगरी कहा जाता है। यह जगह कांचीपुरम में है। जोकि साउथ इंडिया में हैं। जो भी यहां आता है, तो इसकी खूबसूरती का जिक्र करते नहीं थकता है।

हजार मंदिरों की नगरी

कांचीपुरम को हजारों मंदिरों का शहर इसलिए कहा जाता है, क्योंकि पुराने समय में यहां पर करीब 1000 मंदिर थे। यह मंदिर अलग-अलग राजवंशों, चोल, पल्लवों और विजयनगर के समय में बनवाए गए थे। आज भी यहां पर 100 से अधिक बड़े और खूबसूरत मंदिर देखने को मिलेंगे। यह मंदिर अपनी नक्काशी और वास्तुकला के लिए दुनियाभर में फेमस है।

क्यों खास है यहां के मंदिर

कांचीपुरम में जितने भी मंदिर है, वह सिर्फ पूजा के लिए नहीं बल्कि कला और इतिहास का जीता-जागता उदाहरण है।

कैलाशनाथर मंदिर

यह मंदिर शहर का सबसे पुराना मंदिर है। यहां के पत्थरों की नक्काशी काफी ज्यादा खूबसूरत हैं।

एकम्बरेश्वर मंदिर

एकम्बरेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

कामाक्षी अम्मन मंदिर

कामाक्षी अम्मन मंदिर की गिनती शक्तिपीठों में होती है।

सुकून का होगा एहसास

अगर आप भी कांचीपुरम जाती हैं, तो आपको यहां पर सुकून का एहसास होगा। यहां पर भीड़ काफी कम होती है और हर ओर मंदिरों की घंटियों की आवाजें सुनाई देती है। यह अपने आप में एक आध्यात्मिक अनुभव है। आप आराम से यहां पर मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं। कांचीपुरम में यहां की संस्कृति को करीब से महसूस कर सकती हैं। वहीं अगर आपको भीड़भाड़ ज्यादा पसंद नहीं है, तो आप यहां पर जा सकती हैं।

टिप्स

क्या स्वाइन फ्लू से जा सकती है आंखों की रोशनी?

इन दिनों देश के कई राज्य एच1एन1 यानी स्वाइन फ्लू का प्रकोप झेल रहे हैं। यह इन्फ्लुएंजा-ए वायरस का ही एक प्रकार माना जाता है। इस बार यह संक्रमण मुश्किलों को बढ़ाने वाला दिख रहा है। पिछले कुछ 15-20 दिनों में दिल्ली के हॉस्पटिलों में सर्दी-जुकाम, तेज फीवर और सांस से जुड़े मामलों में वृद्धि देखी गई है। देश की राजधानी में संक्रमण के 138 नए मामले दर्ज किए गए। वहीं 3,177 इंफ्लूएंजा ए के मामले हैं। यह संक्रमण गंभीर स्थितियों में दिल और फेफड़ों की समस्याओं के साथ-साथ आंखों के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

स्वाइन फ्लू का आंखों पर क्या होता है असर

दरअसल, यह वायरस फेफड़ों और हार्ट पर भी अटैक कर सकता है। देश के कई राज्यों में एच1एन1 के मामलों में वृद्धि देखी गई। जिसके बाद एक्सपर्ट ने बताया है कि यह फ्लू सिर्फ फेफड़ों और सांस की नली को ही प्रभावित नहीं करता है, बल्कि कुछ लोगों में आंखों से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। वैसे तो स्वाइन फ्लू इंफ्लूएंजा ए वायरस का एक प्रकार है। इसके होने पर आमतौर पर गले में खराश, खांसी, बुखार, थकान, शरीर में दर्द और सांस से जुड़े दूसरे लक्षण देखने को मिलते हैं। यह संक्रमित व्यक्ति के छींकने, बात करने, खांसने पर निकलने वाली ड्रॉपलेट्स से फैलता है। जिसका असर शरीर के अन्य हिस्सों पर भी हो सकता है। फ्लू के दौरान कुछ लोगों की आंखों में लालिमा, रोशनी से परेशानी होना, आंखों से पानी आना या ड्राईनेस की समस्या महसूस हो सकती है। आमतौर पर फ्लू के ठीक होने के साथ-साथ यह समस्याएं भी ठीक हो जाती हैं। लेकिन अगर आपको अचानक से नजर में बदलाव लगे, तो इसको सामान्य लक्षण नहीं समझना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सदर अस्पताल में आई केयर हॉस्पिटल का उपायुक्त ने किया उद्घाटन

आंखों से संबंधित जांच व उपचार की बेहतर सुविधा अब जिले में ही उपलब्ध

संवाददाता

साहिबगंजःसदर अस्पताल परिसर में मंगलवार को नवनिर्मित आई केयर हॉस्पिटल का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया।इस आई केयर हॉस्पिटल की स्थापना द शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से की गई है। इसके शुरू होने से जिलेवासियों को आंखों से संबंधित विभिन्न प्रकार की जांच एवं उपचार की बेहतर सुविधा अब स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी।उद्घाटन समारोह के दौरान उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने आई केयर हॉस्पिटल में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया तथा स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।उन्होंने अस्पताल में मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जिले के लोगों को बेहतर,सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।आई केयर हॉस्पिटल के शुरू होने से विशेष रूप से आंखों से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे मरीजों को काफी लाभ मिलेगा।अब उन्हें आंखों की जांच और उपचार के लिए दूसरे शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं चिकित्सकों को मरीजों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।वहीं,उद्घाटन समारोह के दौरान टेराकोटा कलाकार अमृत प्रकाश ने उपायुक्त दीपक कुमार दुबे का बनाया हुआ चित्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।इस दौरान समारोह में सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं एवं आई केयर हॉस्पिटल को लेकर उपस्थित लोगों में भी उत्साह देखने को मिला।मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान,सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ.देवेश कुमार सहित अन्य चिकित्सक,स्वास्थ्यकर्मी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

संजीवनी क्लिनिक के स्वास्थ्यकर्मियों की बैठक संपन्न

हजारीबाग : एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से नव भारत जागृति केंद्र कि ओर से चतरा, गोड्डा एवं पाकुड़ जिले के कुंदा, लावालोंग, पोरैयाहाट एवं पाकुड़िया प्रखंडों के 60 गांवों में संचालित एसबीआई संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स कार्यक्रम के स्वास्थ्यकर्मियों की दो दिवसीय ओरिएंटेशन बैठक संपन्न हुई। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से ग्रामीणों को नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श, आवश्यक जांच एवं दवाएं उपलब्ध कराने वाले चिकित्सक, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट एवं चालक बैठक में शामिल हुए। विशेषज्ञों ने मेडिको–लीगल पहलू, क्लिनिकल सेवा, आंकड़ा प्रबंधन, कार्यक्रम मॉनिटरिंग, स्वास्थ्य शिक्षा, सॉफ्ट स्किल्स, लैब सेवा, मातृ–शिशु–किशोर स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से समन्वय, दवा प्रबंधन, मरीजों की काउंसेलिंग, प्रभावी संवाद एवं टीम वर्क पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम निदेशक आनंद अभिनव सहित डॉ सतवीर सिंह, डॉ रोहित अग्रवाल समेत अन्य विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों को संबोधित किया।

संथाल परगना से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे आकाश पांडेय

संवाददाता

साहिबगंजःएफजेसीसीआई झारखंड के आजीवन सदस्य आकाश पांडेय ने आगामी चुनाव में संथाल परगना प्रमंडल से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है।उनके चुनाव मैदान में उतरने से स्थानीय व्यवसायी वर्ग में चर्चा तेज हो गई है।नामांकन के बाद आकाश पांडेय ने कहा कि संथाल परगना प्रमंडल के सभी साहिबगंज गोड्डा दुमका पाकुड़ जामताड़ा और देवघर सभी छह जिलों में व्यापारी वर्ग को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।इनमें से कई समस्याओं का अब तक अपेक्षित समाधान नहीं हो पाया है।उन्होंने कहा कि यदि उन्हें क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रूप में सेवा करने का अवसर मिलता है।तो वे साहिबगंज सहित पूरे संथाल परगना प्रमंडल के व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती से सरकार और प्रशासन के समक्ष उठाएंगे तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।आकाश पांडेय ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना और चैंबर के सदस्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।उन्होंने संथाल परगना प्रमंडल के सभी एफजेसीसीआई के सम्मानित सदस्यों तथा चैंबर के अध्यक्ष एवं सचिव से अपना आशीर्वाद और समर्थन देने की अपील की।उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और मार्गदर्शन से व्यापारी हित में प्रभावी ढंग से कार्य करने का प्रयास किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संपन्न

संगठन मजबूती और किसान हितैषी योजनाओं पर हुआ मंथन

संवाददाता

साहिबगंजःछत्तीसगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में बतौर प्रदेश प्रभारी बजरंगी प्रसाद यादव,संबंधित पदाधिकारी ने सहभागिता करते हुए संगठन की मजबूती तथा किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू,भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय,कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम सहित भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे।बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने,किसान मोर्चा के संगठनात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने केंद्र व छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक अन्नदाता तक पहुंचाने को लेकर सार्थक मंथन किया गया।प्रदेश प्रभारी बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और विकास की आधारशिला हैं।ऐसे में सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव और प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचाना संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।बैठक में जमीनी स्तर पर किसानों से संवाद बढ़ाने उनकी समस्याओं को समझने और सरकार की योजनाओं से उन्हें जोड़ने पर भी जोर दिया गया।प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों,किसान मोर्चा की गतिविधियों और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में मौजूद वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने कार्यकताओं से पूरी सक्रियता के साथ संगठन को मजबूत करने किसानों के हित में कार्य करने का आह्वान किया।

श्री 801 कन्या कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंजःशहर के रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट के समीप स्थित मां तारा मंदिर परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ मंगलवार को भव्य श्री श्री 801 कन्या कलश यात्रा के साथ हुआ।कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कन्याएं शामिल हुईं।धार्मिक जयकारों के बीच निकली कलश यात्रा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।कलश यात्रा मां तारा मंदिर,रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट परिसर से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए उत्तरवाहिनी गंगा तट पहुंची।वहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कन्याओं एवं श्रद्धालुओं ने गंगाजल कलश में भरा।इसके बाद कलश यात्रा पुनः शहर का भ्रमण करते हुए मां तारा मंदिर रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट परिसर पहुंची जहां विधि-विधान के साथ कलश यात्रा का समापन किया गया।कलश यात्रा के समापन के बाद मंदिर परिसर में लगातार नौ दिवसीय प्रवचन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।नौ दिनों तक श्रद्धालुओं को कथावाचक द्वारा धार्मिक कथा, आध्यात्मिक संदेश व सनातन संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें सुनाई जाएंगी।आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा एवं धार्मिक कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।आयोजन समिति के व्यवस्थापक सह सचिव कमल किशोर साह व कुंदन कुसुम ने बताया कि नौ दिवसीय प्रवचन कार्यक्रम के समापन के बाद भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा।इसी अवसर पर भद्रात्रि अमावस्या की विशेष पूजा-अर्चना भी विधि-विधान के साथ संपन्न कराई जाएगी।इस दौरान मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि वृंदावन से आई श्रीराम कथा वाचिका ऋचा जी की मंडली नौ दिनों तक कथा करेगी।11 सितंबर को अमावस्या है इस दिन माँ तारा का विशेष पूजा अर्चना हवन होगा और मेला लगेगा,साथ ही प्रसाद वितरण किया जायेगा।कार्यक्रम में मंदिर समिति केपदाधिकारी आयोजन समिति के सदस्य,स्थानीय श्रद्धालु, महिलाएं,कन्याएं एवं बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी लोग मौजूद रहे।आयोजन को लेकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

मंगल दिवस पर जनता दरबार में उमड़ी फरियादियों की भीड़

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःमंगल दिवस के अवसर पर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थित विधायक कक्ष में जनता दरबार का आयोजन प्रत्येक मंगलवार की भाँति किया गया।इसमें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के समक्ष रखीं।जनता दरबार में ग्रामीणों एवं आम नागरिकों ने आवास,पेंशन,बिजली विभाग,राशन कार्ड,जाति,आय एवं निवास प्रमाणपत्र,जन्म प्रमाणपत्र तथा रक्फ़ से संबंधित समस्याओं के अलावा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें एवं समस्याएं रखीं।विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना।उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समस्याओं के शीघ्र निष्पादन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए मामलों को अग्रसारित किया।उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।जनता दरबार में अपनी समस्याओं के समाधान की पहल होने से ग्रामीणों एवं आम लोगों में संतोष देखा गया। लोगों ने जनसमस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए पहल करने पर विधायक प्रतिनिधि के प्रति आभार भी व्यक्त किया।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,रबीउल इस्लाम,नेहाल अख्तर,हीरालाल साहा,आफताब आलम सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सीबीआई अधिकारी बनकर आया फोन करीब 1.20 करोड़ रुपये की ठगी

इस दौरान उसे लगातार निगरानी में रखने का दावा करते हुए मानसिक दबाव बनाया गया -पिडीत

साहिबगंज/बरहरवा : साइबर अपराधियों ने बरहरवा थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति को कथित तौर पर सीबीआई के गंभीर मामले में फंसाने और गिरफ्तार कर जेल भेजने का भय दिखाकर करीब 1.20 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। अपराधियों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को वीडियो कॉल के माध्यम से करीब दो माह तक डिजिटल अरेस्ट में रखा। इस दौरान उसे लगातार निगरानी में रखने का दावा करते हुए मानसिक दबाव बनाया गया और केस से बचाने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में करीब 10 बार आरटीजीएस के माध्यम से रकम ट्रांसफर कराई गई।पीड़ित गौतम चंद्र दास ने पुलिस को बताया कि उसने यह रकम अपनी बेटी की शादी के लिए काफी मुश्किल से जमा की थी। ठगी का अहसास होने के बाद उसने पहले एक रिश्तेदार को घटना की जानकारी दी और फिर पुलिस से संपर्क किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह ने जांच के लिए मुख्यालय डीएसपी सह साइबर सेल के नोडल पदाधिकारी रविकांत साव के नेतृत्व में विशेष जांच टीम एसआईटी गठित की है।

सीबीआई अधिकारी बनकर आया फोन

पीड़ित के अनुसार, जून माह में उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम प्रदीप सिंह बताते हुए खुद को सीबीआई का बड़ा अधिकारी बताया। उसने गौतम चंद्र दास से कहा कि उसके खिलाफ सीबीआई में एक गंभीर मामला दर्ज है और जल्द ही उसके खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई हो सकती है।इसके बाद कथित साइबर अपराधियों ने गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने का भय दिखाकर पीड़ित को मानसिक रूप से दबाव में लेना शुरू कर दिया। केस में राहत दिलाने और कानूनी कार्रवाई से बचाने के नाम पर उससे लगातार रकम की मांग की जाती रही।

वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट फर्जी कोर्ट में तीन बार पेशी

ठगी का तरीका यहीं नहीं रुका। साइबर अपराधियों ने वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ित को कथित तौर पर डिजिटल अरेस्ट कर लिया। करीब दो महीने तक उसे वीडियो कॉल पर रहने और उनके निदेशों का पालन करने के लिए मजबूर किया गया।अपराधियों ने विश्वास पैदा करने के लिए बाकायदा फर्जी कोर्ट रूम तैयार किया। वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ित की कथित तौर पर तीन बार फर्जी सीबीआई कोर्ट में पेशी कराई गई। इस दौरान उसे कानूनी कार्रवाई, जुमार्ना और गिरफ्तारी का भय दिखाया गया। इसके बाद केस खत्म कराने अथवा कार्रवाई से बचाने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई जाती रही।

करीब 10 बार में आरटीजीएस से भेजे 1.20 करोड़

मामले की जांच के लिए बरहरवा पहुंचे मुख्यालय डीएसपी सह साइबर सेल के नोडल पदाधिकारी रविकांत साव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़ित से अलग-अलग बैंक खातों में करीब 10 बार आरटीजीएस के जरिए कुल 1.20 करोड़ रुपये मंगाए गए।जांच के अनुसार, 20 जून 2026 को 50 लाख रुपये का पहला बड़ा लेनदेन हुआ था। इसके बाद अलग-अलग तारीखों में रकम ट्रांसफर कराई गई। बताया गया कि 24 अगस्त को पांच लाख रुपये का अंतिम लेनदेन किया गया।

रकम खत्म होने के बाद हुआ ठगी का एहसास

लगातार पैसे ट्रांसफर करने के बाद जब पीड़ित को पूरे मामले पर संदेह हुआ तो उसने इसकी जानकारी अपने एक रिश्तेदार को दी। इसके बाद सोमवार को पुलिस से संपर्क कर पूरी घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर साइबर सेल के नोडल पदाधिकारी रविकांत साव बरहरवा थाना पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस अब बैंक खातों में हुए लेनदेन, मोबाइल नंबरों और साइबर अपराधियों के संपर्क सूत्रों की जांच कर रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

मीटर से पोल तक लगा बिजली का तार काटकर ले गए चोर

साहिबगंजःजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के इकरा कॉलोनी में चोरों ने एक घर के मीटर से बिजली के पोल तक लगा वायर काटकर चोरी कर लिया। पीड़ित शमसुल हक ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।शमसुल हक ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य रोजमर्रा का काम पूरा करने के बाद रात में सो गए थे। घर के बाहर दरवाजे के पास बिजली का मीटर लगा हुआ है। रात करीब 12 बजे से सुबह 4 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने मीटर के पास से पोल तक जुड़ा बिजली का तार काट दिया। चोरों ने तार को तीन से चार टुकड़ों में काटकर अपने साथ ले गए। चोरी गए तार की कीमत करीब 18 हजार रुपये बताई जा रही है।उन्होंने बताया कि इनवर्टर की बैटरी खत्म होने के बाद जब बिजली नहीं आई तो उन्होंने बाहर जाकर जांच की। इस दौरान पता चला कि मीटर से पोल तक लगा बिजली का तार गायब है। इसके बाद उन्होंने जिरवाबाड़ी थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और चोरों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली से बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंचे रेलवे बोर्ड के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर

सुरक्षा व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

साहिबगंज/बरहरवाःराजधानी दिल्ली से रेलवे बोर्ड के एग्जीक्यूटिव डिरेक्टर मुकुल कुमार साहेबगंज जिले के बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुँचे।एवं विभिन्न समस्याओं व समाधान को लेकर विस्तृत जानकारी लेते हुए समीक्षा की,वहीं मालदा रेल मंडल अंतर्गत बरहरवा रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण की शुरूआत बरहरवा रेलवे साइडिंग स्थित रैक लोडिंग स्थल से हुई.यहां उन्होंने रैक लोडिंग की पूरी प्रक्रिया का जायजा लिया और साइडिंग में माल लोडिंग से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी उपस्थित रेलवे अधिकारियों से ली।निरीक्षण के दौरान एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों,कर्मचारियों की सुरक्षा,रैक लोडिंग की प्रक्रिया,परिचालन व्यवस्था और साइडिंग की आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया.उन्होंने संबंधित रेल अधिकारियों से रैक लोडिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली.इसके बाद उन्होंने बरहरवा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया.प्लेटफॉर्म व यात्री सुविधाओं की जानकारी ली वहीं स्टेशन परिसर कीसाफ-सफाई,प्लेटफॉर्म,पेयजल,रोशनी,बैठने की व्यवस्था,यात्री आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया.उन्होंने स्टेशन पर यात्रियों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया.उन्होंने पैनल रूम,टिकट बुकिंग कार्यालय,वाणिज्य विभाग से संबंधित कार्यालय समेत अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया.इस दौरान संबंधित कर्मचारियों से उनके कार्यों और स्टेशन के दैनिक परिचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली.यात्री सुरक्षा पर विशेष जोर निरीक्षण के दौरान रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था भी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के निरीक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा रही।उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े इंतजामों की जानकारी अधिकारियों से ली और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा करते हुए दिशा निर्देश दिए।मौके पर स्टेशन सुपरिटेंडेंट निरंजन भगत,आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार समेत रेलवे के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

इग्नू में जुलाई सत्र के लिए नामांकन एवं पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 सितंबर तक

साहिबगंजः-इग्नू क्षेत्रीय केंद्र,देवघर के निर्देशानुसार इग्नू अध्ययन केंद्र 3605 साहिबगंज महाविद्यालय के समन्वयक डॉ.ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू के जुलाई 2026 सत्र में नव नामांकन एवं पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 15 सितंबर 2026 कर दी गई है।हालांकि,सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के लिए यह तिथि विस्तार लागू नहीं है।इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से इग्नू के प्रवेश पोर्टल पर जाकर अपना नामांकन करा सकते हैं।डॉ.सिंह ने बताया कि इग्नू में पीजी,यूजी एवं डिप्लोमा सहित विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकन की सुविधा उपलब्ध है।जुलाई 2026 सत्र के लिए पहले से नामांकित विद्यार्थियों के पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया भी 15 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से जारी रहेगी।डॉ.सिंह ने कहा कि इग्नू देश का प्रमुख मुक्त विश्वविद्यालय है, जहाँ कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है।नौकरी या अन्य कार्यों के साथ पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए इग्नू एक अच्छा विकल्प है।यहाँ विद्यार्थियों को स्व-अध्ययन सामग्री,ऑनलाइन अध्ययन संसाधन लचीली अध्ययन व्यवस्था तथा देशभर में अध्ययन एवं परीक्षा केंद्रों की सुविधा मिलती है। उन्होंने सभी इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना जल्द से जल्द अपना नामांकन एवं पुनः पंजीकरण सुनिश्चित करें।

एडवांस कराटे प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन

हजारीबाग : द कोबरा कराटे एकेडमी, जबरा रोड, कोरा में नेशनल खिलाड़ियों के लिए एक दिवसीय एडवांस कुमिते सेमिनार आयोजित किया गया। इसका संचालन इंडियन आर्मी कराटे टीम के चीफ कोच सेंसेई भरत भूषण ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की कुमिते तकनीक, टाइमिंग, फुटवर्क, स्कोरिंग टैक्टिक्स और मैच रणनीति का प्रशिक्षण दिया। सेमिनार में एकेडमी के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एकेडमी के संस्थापक सह मुख्य कोच सेम्पाई चंद्र प्रकाश उपाध्याय ने कहा कि सेंसेई भरत भूषण का मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इससे भविष्य के चैंपियनों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत करने की शुभकामनाएं दीं। आयोजन को हजारीबाग में कराटे के विकास और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

पटौदी परिवार के राखी उत्सव में सैफ, सारा, सोहा के साथ करीना कपूर भी हुई शामिल

एक्ट्रेस करीना कपूर खान इस साल पटौदी परिवार के राखी सेलिब्रेशन में अपने पति सैफ अली खान, ननद सोहा और सबा, और सैफ के बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम के साथ शामिल हुईं। सोहा ने सोशल मीडिया पर रक्षाबंधन सेलिब्रेशन की कुछ झलकियां शेयर कीं। जहां पटौदी परिवार के सभी सदस्य त्योहार के माहौल के हिसाब से पारंपरिक कपड़ों में पोज देते दिखे, वहीं बेबो कैजुअल ब्लू टी-शर्ट और खुले बालों में एकदम रिलैक्स्ड लुक में नजर आईं। इसमें एक बेहतरीन फैमिली फोटो भी थी, जिसमें इब्राहिम, तैमूर और जेह अपनी राखियां दिखाते हुए नजर आए। इब्राहिम और तैमूर दोनों की कलाइयों पर एक जैसी फुटबॉल-थीम वाली राखियां बंधी थीं। तस्वीरों में सोहा अपने भाई सैफ के गाल पर प्यार से किस करती हुई भी दिखीं। सोहा की बेटी इनाया की भी तस्वीर सामने आई, जिसमें वह अपने कजिन इब्राहिम को राखी बांध रही थीं। अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए सोहा ने लिखा, 'जो लोग हमें प्यार, सुरक्षा और अपनापन महसूस कराते हैं, उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं। ' इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सबा ने कमेंट किया, 'लव यू सिस और भाई को भी! जिन लोगों ने इसे खास बनाया... हैप्पी राखी! ' इसके अलावा, सारा ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपने भाई इब्राहिम के साथ रक्षाबंधन सेलिब्रेशन की झलक दिखाई। भाई-बहन की यह जोड़ी घर में बने मंदिर के सामने पोज देती दिखी, जहां भगवान गणेश की मूर्ति रखी थी। पूजा की थाली पकड़े हुए इब्राहिम सारा के गाल पर किस करते नजर आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में बेबो ने बताया कि एसीपी अजूनी कोहली का किरदार निभाने की वजह से उन्हें उन सच्चाइयों को गहराई से समझने का मौका मिला, जिनका सामना लोग शायद हमेशा नहीं करना चाहते। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल में नजर आएंगे और 'दायरा' इस साल 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कार्तिक आर्यन ने बहन कृतिका संग मनाया रक्षाबंधन, मजेदार अंदाज में बोले- 'राखी डन, आशीर्वाद क्रेडिटेड, जेब खाली'

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने इस साल भी रक्षाबंधन का त्योहार अपनी बहन कृतिका आर्यन के साथ बेहद खास और प्यारे अंदाज में मनाया। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में भाई-बहन के बीच की खूबसूरत बॉन्डिंग के साथ-साथ उनका मस्ती भरा अंदाज भी देखने को मिला। कार्तिक ने तस्वीरों की एक सीरीज साझा की है, जिसमें वह अपनी बहन के साथ रक्षाबंधन की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में कृतिका उन्हें मिठाई खिलाती दिखाई दे रही हैं, जबकि कार्तिक हाथ जोड़कर भाई होने की अपनी जिम्मेदारी निभाते नजर आ रहे हैं। वहीं, एक अन्य तस्वीर में दोनों अपने प्यारे पेट्स के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। कार्तिक ने पोस्ट के कैप्शन में अपने खास मजाकिया अंदाज में लिखा, 'राखी डन, आशीर्वाद क्रेडिटेड, जेब खाली'। अभिनेता के इस कैप्शन ने रक्षाबंधन के उस मजेदार पहलू को बयां कर दिया, जिससे लगभग हर भाई आसानी से खुद को जोड़ सकता है।

सबसे छोटे बच्चे को अक्सर

बहुत सी बातों पर छूट मिल जाती है

भाई-बहनों के रिश्ते पर अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन ने रियलिटी गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के हालिया एपिसोड में भाई-बहनों के बीच के अनोखे रिश्ते पर गहराई से बात की। होस्ट बिग बी ने बताया कि हर समय एक-दूसरे से लड़ने के बावजूद, मुश्किल समय में भाई-बहन एक-दूसरे के लिए सबसे पहले खड़े होते हैं। उन्होंने शो के दौरान कहा, 'भाई-बहन का जो रिश्ता होता है न बड़ा अनोखा होता है... एक दूसरे से लड़ते भी हैं और एक दूसरे की टांग भी खींचते हैं, लेकिन जरूरत पड़े तो सबसे पहले साथ भी वही खड़े रहते हैं। ' अपने पर्सनल एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए, बिग बी ने बताया कि बड़े भाई-बहनों के मुकाबले सबसे छोटा बच्चा अक्सर बहुत कुछ कर जाता है। लेजेंडरी एक्टर ने शेयर किया, 'जो घर का छोटा होता है ना, तो क्योंकि वो छोटा है, सब लोग उसको माफ कर देते हैं और जितने बड़े हैं ना उससे, उनको इतनी मार पड़ती है... कुछ भी करेंगे वो, लेकिन उनको कुछ नहीं बोला जाता है। अमिताभ ने माना कि उन्होंने अपने घर में भी ऐसा ही डायनामिक देखा है। उन्होंने बताया कि घर के छोटे लोग उन्हें परेशान करते थे लेकिन फिर भी उन्हें कभी सजा या डांट नहीं पड़ती थी। बिग बी ने याद करते हुए कहा, 'हमारे यहां पर भी ऐसा ही है, जो छोटे थे, हमको बहुत मारते थे, इधर-उधर करते थे, उनको कुछ नहीं बोला जाता था। हमारे परिवार में भी ऐसा ही था, सर। छोटे बच्चे हमें परेशान करते थे और हमारे साथ तरह-तरह की हरकतें करते थे, लेकिन उन्हें कभी कुछ नहीं बताया जाता था। '

कृति सेनन के विज्ञापन विवाद पर सोनू निगम ने तोड़ी चुप्पी

बोले- वह अकाउंट मेरा नहीं है

सिंगर सोनू निगम ने अभिनेत्री कृति सेनन के रक्षाबंधन वाले विज्ञापन को लेकर चल रहे विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि मीडिया जो दिखा रहा है, वह गलत है। दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट में इस विवाद पर लंबा पोस्ट सोनू निगम के नाम शेयर किया गया था। सिंगर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर उस पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर कर साफ किया कि वह अकाउंट उनका नहीं है। सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा, 'यह मैं नहीं हूं और मैंने ऐसा कुछ भी नहीं किया था। ' बता दें कि अभिनेत्री कृति सेनन के विज्ञापन विवाद पर प्रतिक्रिया देने वाला पोस्ट सोनू निगम के नाम वाले एक 'एक्स' अकाउंट से शेयर किया गया था। पोस्ट में लिखा था, 'विवाद किसी भी तरह से इस बात पर नहीं है कि एक महिला क्या पहनती है। समस्या पाखंड और हिंदू त्योहारों पर उनकी परंपराओं के जरिए लोगों को प्रभावित करने की तरीकों में है। ऐसा नहीं है कि कृति सेनन ने पहली बार कुछ ऐसा पहना है, जिससे विवाद खड़ा हो गया। ' सोनू निगम के फैंस ने सिंगर के कमेंट सेक्शन में बताया कि यह अकाउंट सोनू निगम नाम के किसी दूसरे व्यक्ति का है, जबकि सिंगर ने कई बार साफ किया है कि वह एक्स पर नहीं हैं। सिंगर प्राजक्ता शुकरे ने भी सोनू निगम की सफाई पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट में

लिखा, 'सोनू कई सालों से साफ तौर पर कह रहे हैं कि वह एक्स पर नहीं हैं और यह अकाउंट उनका नहीं है। फिर भी यह अकाउंट उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा है और ऐसे निजी विचार शेयर कर रहा है जैसे कि वह उन्हीं की तरफ से आ रहे हों। यह इस बात पर नहीं है कि कोई उन विचारों से सहमत है या नहीं। यह पहचान और जवाबदेही की बात है। एक्स के अपने नियम भ्रामक प्रतिरूपण को रोकते हैं। फिर भी इसे जारी क्यों रहने दिया जा रहा है? इसे अभी तक हटाया क्यों नहीं गया? ' उन्होंने आगे कहा, 'और मीडिया के लिए भी एक सवाल आप सोनू निगम जैसे दिग्गज के नाम पर बयान और राय बिना पुष्टि किए कैसे प्रकाशित कर सकते हैं? जब कलाकार ने खुद बार-बार साफ किया है कि वह एक्स पर नहीं हैं, तो क्या एक जिम्मेदार मीडिया हाउस को किसी प्रतिरूपण करने वाले को मंच देने से पहले सबसे पहले यही जांच नहीं करनी चाहिए? एक फर्जी अकाउंट जो चाहे पोस्ट कर सकता है, लेकिन मीडिया का इसे एक दिग्गज के नाम से आगे बढ़ाना बिल्कुल गलत है। ' यह विवाद कृति सेनन वाली एक ज्वेलरी ब्रांड के रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर हुए विरोध के बीच सामने आया है। कृति के आउटफिट को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने इस कैंपेन की आलोचना की थी।

चाइना मास्टर्स : विक्टर लाई से सीधे गेम में हारकर लक्ष्य सेन हुए बाहर

नई दिल्ली : भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का चाइना मास्टर्स में अभियान बुधवार को समाप्त हो गया। राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में लक्ष्य को कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ सीधे गेम में 14-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ विक्टर लाई के खिलाफ लक्ष्य सेन का इस साल का रिकॉर्ड और खराब हो गया है। दोनों के बीच 2026 में खेले गए चार मुकाबलों में लाई ने तीन बार जीत दर्ज की है। उन्होंने थॉमस कप और जुलाई में चाइना ओपन के राउंड ऑफ 16 में भी लक्ष्य को हराया था। हालांकि, दोनों के बीच इस साल पहली भिड़ंत में लक्ष्य ने जीत दर्ज की थी। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में लक्ष्य ने लाई को तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-16, 18-21, 21-15 से हराया था। लक्ष्य सेन के लिए यह लगातार दूसरा निराशाजनक टूनार्मेंट रहा। नई दिल्ली में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में उन्हें दूसरे दौर में अमेरिका के गैरेट टैन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। चाइना मास्टर्स में उन्हें शुरूआत में फ्रांस के एलेक्स लानिएर के खिलाफ खेलना था, लेकिन दिल्ली में खिताब जीतने के बाद लानिएर के हटने से लक्ष्य का सामना एक बार फिर लाई से हुआ।

श्रीकांत की शानदार जीत

दिन के पहले मुकाबले में किदांबी श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ची यू-रेन को 21-16, 21-15 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। श्रीकांत ने पहले गेम में दबदबा बनाया और दूसरे गेम में भी संयम बरतते हुए मुकाबला अपने नाम किया। यू-रेन ने 2023 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था और उसी टूनार्मेंट में उन्होंने श्रीकांत को पहले दौर में हराया था। इस बार श्रीकांत ने हिसाब बराबर कर लिया।

मिश्रित युगल में ध्रुव–तनिशा की आसान जीत

मिश्रित युगल के राउंड ऑफ 32 में भारत के ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो की जोड़ी ने थाईलैंड के टोंकिड साएहेंग और टोनरुग साएहेंग को 21-8, 21-9 से हराया। बाद में पांच और भारतीय खिलाड़ी कोर्ट पर उतरेंगे। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी का सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और कांग खाई शिंग से होगा, जबकि तन्वी शर्मा डेनमार्क की अमाली शुल्ज के खिलाफ खेलेंगी।

यूएस ओपनः राइबाकिना, गॉफ, कीज और एंड्रीवा की दमदार जीत, दूसरे दौर में पहुंचीं

एजेंसी

न्यूयॉर्क : विश्व की नंबर दो खिलाड़ी एलेना राइबाकिना, पूर्व चैंपियन कोको गॉफ, मैडिसन कीज और फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा ने मंगलवार को शानदार जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। तीसरी ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी और विश्व नंबर एक रैंकिंग पर नजरें लगाए राइबाकिना ने अमेरिका की थिया फ्रॉडिन को 6-3, 6-2 से हराया। कजाकिस्तान की राइबाकिना ने मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। राइबाकिना के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि इसी महीने सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनल मुकाबले से उन्हें बाएं पैर की चोट

के कारण हटना पड़ा था। चोट के बाद वापसी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी फिटनेस को लेकर उठ रही चिंताओं को भी दूर किया। राइबाकिना, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो न्यूयॉर्क में आर्यना सबालेंका से विश्व नंबर एक की रैंकिंग छीन सकती हैं। गॉफ को इसके लिए अपना दूसरा यूएस ओपन खिताब जीतना होगा, जबकि राइबाकिना सेमीफाइनल में पहुंचकर भी शीर्ष रैंकिंग हासिल कर सकती हैं।

गॉफ ने सर्विस से किया प्रभावित

2023 की यूएस ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने तुर्किये की दुनिया की 53वें नंबर की जेनेप सोनमेज को 6-3, 6-4 से हराया। गॉफ ने अपनी बेहतर हुई सर्विस का शानदार इस्तेमाल किया और शुरूआती सेट में दबदबा बनाया।

एंड्रीवा ने भी आसान जीत दर्ज की

फ्रेंच ओपन चैंपियन और पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा ने इंडोनेशिया की 36वें नंबर की जेनिस तिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। मैडिसन कीज ने रूसी किशोरी अलीना कोर्नेएवा को 7-5, 6-4 से हराया। कीज ने मुकाबले में 21 विनर्स लगाए और अब दूसरे दौर में चेक गणराज्य की लूसी हव्लिचकोवा या हंगरी की अन्ना बोंदार से भिड़ेंगी।

माया बाउचियर के शतक से इंग्लैंड ने रचा इतिहास आयरलैंड के खिलाफ छह विकेट से दर्ज की जीत

लीसेस्टर : सलामी बल्लेबाज माया बाउचियर के शानदार शतक की बदौलत इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज पूरा किया। इंग्लैंड ने स्थानीय समयानुसार मंगलवार को 282 रन के लक्ष्य को महज 38.1 ओवर में चार विकेट खोकर 283 रन बनाकर हासिल कर लिया और छह विकेट से मुकाबला अपने नाम किया। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 5 विकेट पर 281 रन बनाए थे। जवाब में बाउचियर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 95 गेंदों पर 104 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 11 चौके शामिल रहे। बाउचियर ने सोफिया डंकली के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 गेंदों में 143 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डंकली ने 61 गेंदों पर 73 रन बनाए। दोनों ने इंग्लैंड को शुरूआत से ही मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। डंकली ने 40 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि बाउचियर ने 53 गेंदों में पचास रन पूरे किए। दोनों की तेज बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने 10 ओवर में बिना विकेट खोए 72 रन बना लिए थे। इग्लैंड की कारा मरे ने 20वें ओवर में डंकली को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद उन्होंने अगले ओवर में जोडी ग्रेकॉक को भी पवेलियन भेजा। हालांकि, बाउचियर और एलिस कैप्सी ने 50 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की जीत की राह आसान कर दी। बाउचियर ने 31वें ओवर में 91 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, लेकिन अगले ही ओवर में मरे ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद फ्रेया केम्प ने 22 गेंदों पर 36 रन की तेज पारी खेलकर आयरलैंड की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं। कैप्सी ने नाबाद 41 रन बनाए और चौका लगाकर इंग्लैंड को रिकॉर्ड लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

दुआ लिपा ने अपने समर रिचुअल का खुलासा किया

लॉस एंजिल्स । सिंगर-सॉन्गराइटर दुआ लिपा अपने पसंदीदा आइलैंड पर छुट्टियां बिताकर बेहद खुश और सुकून महसूस कर रही हैं। शुक्रवार को सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम पर छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। तस्वीरों और वीडियो में, वह अपने करीबी लोगों के साथ मजेदार खाना खाते हुए और छुट्टियों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'अपने पसंदीदा आइलैंड पर कम से कम एक बार जाए बिना गर्मी का मौसम अधूरा है। ' इस साल की शुरुआत में शादी के बाद से ही यह सिंगर शानदार समय बिता रही हैं। उन्होंने लगभग दो साल तक डेटिंग करने के बाद ब्रिटिश एक्टर कैलम टर्नर से शादी की। इस कपल के बीच रोमांस की खबरें पहली बार 2024 की शुरुआत में उड़ी थीं और उसी साल बाद में उन्होंने अपने रिश्ते को सबके सामने जाहिर किया। लिपा ने जून 2025 में अपनी सगाई की पुष्टि की। कपल ने 31 मई, 2026 को लंदन के ओल्ड मैरीलेबोन टाउन हॉल में करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में एक निजी सिविल सेरेमनी की। इसके बाद 6 जून को सिसिली में एक शानदार जश्न मनाया गया। इटैलियन सेरेमनी के लिए सिंगर ने खास तौर पर तैयार किया गया शनेल ऑट कउचर गाउन पहना था, जबकि खबरों के मुताबिक जश्न में कई सेलिब्रिटी मेहमान भी शामिल हुए थे। टर्नर ने हाल ही में अपनी शादी को अपनी जिंदगी का 'सबसे खूबसूरत दिन' बताया। इससे पहले, दुआ लिपा ने एल्टन जॉन के साथ अपने कोलैबोरेशन 'कोल्ड हार्ट' के 5 साल पूरे होने का जश्न मनाया, जिसे 5.3 बिलियन बार स्ट्रीम किया गया था।

रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई के लिए अपार संभावनाएं: राजनाथ सिंह

एजेंसी

नोएडा : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा में आयोजित उद्यमियों के एक कार्यक्रम में कहा कि रक्षा विनिर्माण में भी एमएसएमई सेक्टर के लिए अपार संभावनाएं है। आईडेक्स और अदिति जैसे पहल ने स्टार्ट-अप्स, इनोवेटर्स और एमएसएमई को सशस्त्र बल की जरूरतों के लिए नवोन्मेषी समाधान विकसित करने का मौका दिया है। देश के एमएसएमई एंटरप्रेन्योर्स को रक्षा क्षेत्र को केवल सरकारी खरीद बाजार समझने से बचना होगा। इसे टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और वैश्विक कारोबार के मौके के रूप में देखना होगा। ड्रोन्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर्स, ऑटोनोमस सिस्टम्स, एडवांस्ड मटेरियल्स, स्पेस, और क्वांटम टेक्नोलॉजी में भविष्य की संभावनाएं हैं। यहां जल संरक्षण संकल्प के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। रक्षामंत्री ने कार्यक्रम के शुभारंभ के तरीके की सराहना की। तिलपता गांव के पास स्थित एक बैंक्वेट हॉल में मंगलवार को इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की 35वीं वार्षिक जनरल मीटिंग, बिजनेस डेवलपमेंट और एमएसएमई अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें प्रदेश के 1000 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया। रिसोर्स पर बोलते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मंगलवार को डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के सीएमडी के साथ तीन घंटे बैठक की। जहां पता चला कि 16000 एमएमएमई उद्योग डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग से जुड़े हैं। विकसित भारत में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है। आने वाले समय में यह भूमिका और बढ़ने वाली है। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक रूप से मजबूत भारत ही नहीं होगा, बल्कि एक ऐसा भारत है जो विनिर्माण में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होगा। जो टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में अग्रणी होगा। युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करेगा। एमएसएमई शहरों के साथ-साथ छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक आर्थिक गतिविधियां पहुंचा रहे है। इससे रोजगार पैदा होने के साथ युवा सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया एक बहुत ही विश्वसनीय विनिर्माण पार्टनर की तलाश कर रही है। यह भारत के लिए बड़ा अवसर होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत यूएई, यूके, ओमान, स्विट्जरलैंड जैसे अनेक महत्वपूर्ण देशों और यूरोपीय संघ जैसे महत्वपूर्ण ग्लोबल पार्टनर के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रहा है। जो एमएसएमई उद्योगों के लिए एक बड़ा अवसर हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि एमएसएमई उद्योगों को केवल घरेलू सप्लायर तक सीमित नहीं रखना है बल्कि ग्लोबल एंटरप्रेन्योर्स बनाना होगा। हमारा लक्ष्य मेक इन इंडिया, मेक फॉर इंडिया, एंड मेक फॉर द वर्ल्ड होना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत का सपना केवल बड़ी कार्यशालाओं से पूरा नहीं होगा, इसके लिए देश के हर छोटे उद्यमी को बड़ा सोचने और बड़ा बनने का अवसर देना होगा। सरकार यह काम कर रही है। रक्षा निर्माण और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर उद्यमी अब केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि बौद्धिक संपदा बनाकर देश की सुरक्षा व अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। दवर्ष 2012-13 के आसपास देश में एमएसएमई की संख्या 4.67 करोड़ थी। जो आज लगभग 9 करोड़ पहुंच चुकी है। यह बदलती आर्थिक शक्ति का एक नमुना है।

गंगा का जलस्तर 6 सेंटीमीटर बढ़ा, डिस्चार्ज 3.16 लाख क्यूसेक के पार

एजेंसी

कानपुर : गंगा के जलस्तर में बुधवार को मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम में जलस्तर 113.80 मीटर रहा, जबकि 3,15,702 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। यह दोनों आंकड़े मंगलवार की तुलना में बढ़े हैं, हालांकि जलस्तर अभी चेतावनी बिंदु से नीचे बना हुआ है। बीते मंगलवार को बैराज के अपस्ट्रीम में जलस्तर 113.74 मीटर और डिस्चार्ज 3,09,365 क्यूसेक था। एक दिन में जलस्तर छह सेंटीमीटर और डिस्चार्ज 6,337 क्यूसेक बढ़ा है। डाउनस्ट्रीम का जलस्तर भी 113.49 मीटर से बढ़कर 113.55 मीटर हो गया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गंगा के जलस्तर और विभिन्न बैराजों से छोड़े जा रहे पानी पर लगातार नजर रखी जा रही है। संबंधित विभागों को निगरानी बनाए रखने और जरूरत के अनुसार आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। बैराज का चेतावनी स्तर 114 मीटर और खतरे का स्तर 115 मीटर है। खतरे के स्तर पर डिस्चार्ज 5,44,373 क्यूसेक निर्धारित है। बुधवार को दर्ज डिस्चार्ज इससे काफी नीचे रहा। शुक्लागंज में भी जलस्तर मंगलवार के 112.25 मीटर से बढ़कर 112.40 मीटर हो गया। यहां चेतावनी स्तर 113 मीटर और खतरे का स्तर 114 मीटर है। उधर, हरिद्वार बैराज से मंगलवार को 1,00,375 क्यूसेक की तुलना में बुधवार को 1,10,750 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। नरोरा बैराज से भी डिस्चार्ज 77,819 क्यूसेक से बढ़कर 83,835 क्यूसेक हो गया।

नेपाल आपदा : 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ 2,000 मीटर नीचे गिरी, विस्फोट जैसा असर

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के रसुवागढ़ी में विनाशकारी बाढ़ का कारण माने जा रहे हिमपर्वत के खिसकने (ग्लेशियर कोलैप्स) की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि करीब 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ और हिमखंड लगभग 2,000 मीटर नीचे आकर गिरे। विशेषज्ञों के अनुसार, इस घटना से आसपास के क्षेत्र में भारी ऊर्जा उत्पन्न हुई, जिसका प्रभाव बम विस्फोट जैसा था। लांगटांग लेरुंग के उत्तर में हिमस्खलन और बाढ़ का अध्ययन कर रहे त्रिभुवन विश्वविद्यालय के भूगर्भशास्त्र केंद्रीय विभाग के प्रोफेसर डॉ. रंजन कुमार दाहाल के अनुसार, बर्फ का विशाल ढेर केवल नीचे नहीं गिरा, बल्कि आसपास व्यापक क्षति पहुंचाने वाला विस्फोट भी हुआ। डॉ. दाहाल ने बताया कि सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण और बेहद कम अनुमान के आधार पर भी करीब 2.5 करोड़ घन मीटर बर्फ नीचे गिरने की पुष्टि होती है। उनके अनुसार, लगभग 2,000 मीटर नीचे गिरने के दौरान इस बर्फीले ढेर से पैदा हुई ऊर्जा का असर बम विस्फोट जैसा रहा होगा। इस घटना से उत्पन्न कंपन को 5.2 रिक्टर स्केल के भूकंप के रूप में भी दर्ज किया गया था। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग भूगर्भविद् डॉ. दाहाल के साथ चीन के शंघाई स्थित टोंगजी विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और किंग्स कॉलेज लंदन, तथा इटली के पादुआ विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने करीब एक वर्ष पहले से हिमालय और हिमाली क्षेत्रों में हो रही गतिविधियों का अध्ययन शुरू किया था। अध्ययन के दौरान पता चला था कि रसुवागढ़ी के ऊपरी तिब्बती क्षेत्र में स्थित प्यूरेपु हिमताल के सुप्राग्लेशियल लेक यानी ग्लेशियर पर हाल में बने छोटे-छोटे जलकुंड और तालाब फट गए थे। इसके कारण पिछले वर्ष भी भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई थी। इसके बाद भूगर्भविदों और वैज्ञानिकों की टीम ने हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियरों में हो रही हलचल और गतिविधियों का अध्ययन शुरू किया। इसी अध्ययन के बीच पिछले बुधवार अचानक विनाशकारी बाढ़ आ गई, जिसके बाद टीम के कुछ सदस्य हिमस्खलन और बाढ़ के अध्ययन में जुट गए। प्रोफेसर दाहाल के अनुसार, प्राप्त सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि हिमस्खलन की लंबाई करीब 1.3 किलोमीटर थी। इसने नीचे की ओर लगभग 500 से 800 मीटर क्षेत्र को अपनी चपेट में लेते हुए साफ कर दिया।

डेंगू से निपटने के लिए कोलकाता में तीन दिवसीय विशेष सफाई अभियान

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में मानसून के दौरान डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच राज्य सरकार ने बचाव और नियंत्रण के लिए कई कदम उठाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार देर शाम स्वास्थ्य भवन में डेंगू की स्थिति को लेकर बैठक के बाद कहा कि फिलहाल राज्य में डेंगू के 148 मरीज हैं और स्थिति नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोलकाता नगर निगम क्षेत्र में तीन, चार और पांच सितंबर को तीन दिवसीय विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों और चिकित्सकों की सलाह के आधार पर सीमित संख्या में धुंध छिड़काव मशीनों का इस्तेमाल भी किया जाएगा। निम्न आय वाले क्षेत्रों में लोगों को निःशुल्क मच्छरदानी वितरित करने की भी योजना है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि डेंगू की जांच के लिए पर्याप्त जांच सामग्री उपलब्ध है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने राज्यवासियों से अपील की कि यदि बुखार दो दिन से अधिक बना रहे तो उसे नजरअंदाज न करें और निःशुल्क जांच अवश्य कराएं। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर डेंगू के मामलों को छिपाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले चिकित्सकों को डेंगू के मामलों का उल्लेख करने में परेशानी होती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने चिकित्सकों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि डेंगू होने पर इसकी जानकारी दर्ज की जाए। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष इसी अवधि में राज्य में डेंगू के करीब सात हजार 600 मामले सामने आए थे, जबकि इस वर्ष यह संख्या घटकर करीब चार हजार रह गई है। उन्होंने इसे लगभग 50 प्रतिशत की कमी बताया और कहा कि इसका श्रेय सरकार को देने के बजाय आम लोगों की बढ़ी हुई जागरूकता को दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त से राज्य में योजना लागू होने के बाद पश्चिम बंगाल में अब तक करीब 19 हजार 700 लोगों को इसके तहत उपचार मिल चुका है। इसके अलावा झारखंड, महाराष्ट्र और ओडिशा में रहने वाले पश्चिम बंगाल के 452 निवासियों ने भी इस योजना के तहत उपचार कराया है। उन्होंने बताया कि उपचार प्राप्त करने वाले करीब 100 लोगों से उन्होंने वीडियो माध्यम से बातचीत की। मुख्यमंत्री के अनुसार, सोनारपुर के गोपाल मंडल का डेढ़ लाख रुपये का हृदय उपचार योजना के तहत बिना किसी भुगतान के हुआ। वहीं बीरभूम के असगर अली ने अपने बच्चे का उपचार कराया। उन्होंने कहा कि इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि सरकार धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करती।

मध्य प्रदेश के 22 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी, पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में बारिश का दौर जारी है, जिससे कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। सतना और चित्रकूट में स्थिति सबसे ज्यादा प्रभावित है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बुधवार को प्रदेश के 22 जिलों में भारी बारिश और 7 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के सतना और चित्रकूट लगातार बारिश से प्रभावित है। मंगलवार को रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल पानी में डूब गए। भारी बारिश को देखते हुए सतना में 2 और 3 सितंबर को सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ियों में अवकाश घोषित किया गया है। अगले दो दिन सतना और चित्रकूट में भी भारी बारिश की चेतावनी है। ऐसे में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, बुधवार को सीधी, पन्ना, कटनी, उमरिया, डिंडौरी, मंडला और सिवनी में अति भारी बारिश का अलर्ट है। अगले 24 घंटे में इन जिलों में 4 इंच से ज्यादा बारिश हो सकती है। विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, सागर, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, जबलपुर, छतरपुर, सतना, रीवा, मऊगंज, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर और बालाघाट में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं भोपाल, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, पांढुर्णा, मैहर, दमोह, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव की वजह से दुनिया भर के ज्यादातर शेयर बाजार में न्यूनतम जोखिम पर काम करने का माहौल बना हुआ है। पूरी दुनिया में ज्यादातर निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। इसकी वजह से ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। वैश्विक दबाव की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज चौतरफा बिकवाली होती हुई नजर आ रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और उसकी वजह से अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे निगेटिव इफेक्ट की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेदक जोखिम लेने से बचते हुए नजर आए। निवेशकों की सतर्कता की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.71 प्रतिशत टूट कर 7,631.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 271.11 अंक यानी 1.03 प्रतिशत लुढ़क कर 26,099.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 52,762.66 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,789.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत फिसल कर 8,301.85 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 288 अंक यानी 1.11 प्रतिशत टूट कर 25,970.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज लगातार बिकवाली हो रही है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक दबाव में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 117 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,934 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत लुढ़क कर 6,589.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में आज जबरदस्त गिरावट आई है। यह सूचकांक फिलहाल 256.23 अंक यानी 3.75 प्रतिशत टूट कर 6,579.57 के स्तर पर आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स भी आज जबरदस्त कमजोरी का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 1,962.34 अंक यानी 2.96 प्रतिशत फिसल कर 64,253 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 716.29 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 46,232.43 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं हैंग सेंग इंडेक्स 276.73 अंक यानी 1.10 प्रतिशत लुढ़क कर 25,053 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अतिरिक्त शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत टूट कर 3,947.26 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.78 प्रतिशत फिसल कर 1,576.23 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 5,709.051 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बहराइच में पकड़ा गया आदमखोर बाघ, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

बहराइच : उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के महबूबनगर इलाके में कई दिनों से दहशत का पर्याय बने बाघ को आखिरकार वन विभाग की टीम ने पिंजरे में कैद कर लिया। बाघ के पकड़े जाने की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। पिछले कई दिनों से बाघ की मौजूदगी के चलते इलाके में भय का माहौल था। लोग घरों से बाहर निकलने से कतराने लगे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी बाघ ने बीते दिन एक व्यक्ति पर हमला कर दिया था। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत थी। लगातार मिल रही शिकायतों और ग्रामीणों की चिंता को देखते हुए वन विभाग ने बाघ को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। वन दारोगा रविंद्र राव और बीट प्रभारी कपिल की अगुवाई में वन विभाग की टीम ने जंगल से सटे इलाके में पिंजरा लगाया। टीम कई घंटों तक निगरानी करती रही। आखिरकार बाघ पिंजरे में फंस गया। बाघ के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीण अंकित और संवर्धन ने बताया कि बाघ के पकड़े जाने से ग्रामीणों में खुशी और राहत है। बाघ की दहशत के चलते लोग कई दिनों से अपने घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे थे। अब बाघ के पकड़े जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। वन दारोगा रविन्द्र ने बताया कि बाघ की मेडिकल जांच कराई जाएगी। इसके बाद नियमानुसार उसे सुरक्षित वन क्षेत्र अथवा चिड़ियाघर भेजने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बाघ पकड़े जाने के बाद वन विभाग की टीम ने भी राहत की सांस ली है। ग्रामीणों ने अभियान में जुटे अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार जताया।

छत्तीसगढ़ के सिंधी संत एवं समाजसेवक छह सितंबर को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द के साथ करेंगे बैठक

रायपुर : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एवं आसपास के अन्य जिलों के कुछ प्रमुख सिंधी संत एवं करीब सौ महिला व पुरुष समाज सेवक 6 सितंबर को बेमेतरा जिले के सलधा गांव में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के साथ उनके चातुर्मास व्रत महोत्सव में बैठक करेंगे। मसन्द सेवाश्रम रायपुर के प्रवक्ता मयंक मसन्द ने बुधवार को बताया कि बैठक में देश में सनातन वैदिक सिद्धांतों पर आधारित धर्म का शासन स्थापित कर भारत को पुनः समूचे विश्व का कल्याण करने में समर्थ विश्वगुरु बनाने पर विचार किया जायेगा। इस अभियान में सिंधी समाज की कारगर भूमिका पर भी विचार किया जाएगा। बैठक के आयोजक स्थानीय मसन्द सेवाश्रम के पीठाधीश सिंधी समाज के संत साईं जलकुमार मसन्द साहिब हैं। उल्लेखनीय है कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती द्वारा साईं मसन्द साहिब को प्रयागराज में सम्पन्न पिछले कुम्भ मेले में 108 देशों के अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू संगठन परम धर्म संसद 1008 का संगठन मंत्री एवं शंकराचार्य महाराज के मुम्बई चातुर्मास व्रत महोत्सव में देश में चलाए जा रहे गौमाता राष्ट्रमाता अभियान के अंतर्गत गौ संसद का सचेतक नियुक्त किया हुआ है। उल्लेखनीय है कि साईं मसन्द पिछले बारह वर्षों से देश में पूज्यपाद शंकराचार्यों एवं अन्य महान ढह संतों के सहयोग से देश में सनातन वैदिक सिद्धांतों पर आधारित धर्म का शासन स्थापित कर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का अभियान चलाये हुए हैं। उन्होंने बताया कि हमारी आजादी का हमारा मूल उद्देश्य वस्तुतः यही रहा। इसका उल्लेख देश की आजादी के पुरोधाओं बालगंगाधर तिलक, महर्षि अरविन्द आदि द्वारा उन दिनों किये गये व्याख्यानों के अभिलेखों में दर्ज है। उन्होंने कहा था कि हमें अपनी आजादी का लक्ष्य हर हालत में प्राप्त करना ही है।

केदारनाथ हेली सेवा के लिए सात सितंबर से खुलेगी विंडो

देहरादून : चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए हेली सेवा 15 सितंबर से फिर शुरू होगी।उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) ने इसके लिए तैयारियां तेज कर दी हैं और पहली टिकट बुकिंग विंडो सात सितंबर से खोलने की तैयारी है। यूसीएडीए के अनुसार, टिकटों की कालाबाजारी रोकने और बुकिंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए दूसरे चरण में टिकट 15-15 दिन की अवधि के लिए चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। प्राधिकरण ने हेली ऑपरेटरों के साथ आवश्यक बैठकें की हैं। साथ ही नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और मौसम विभाग के साथ भी समन्वय किया जा रहा है। यूसीएडीए ने कहा कि हेली सेवा का संचालन मौसम की स्थिति, सुरक्षा मानकों और डीजीसीए की अनुमति के अनुरूप ही किया जाएगा। प्राधिकरण ने श्रद्धालुओं से केवल अधिकृत माध्यम से टिकट बुक करने की अपील की है। केदारनाथ शटल सेवा के लिए ी/८३१.१३.ङ्क.ल्ल और बद्रीनाथ शटल सेवा के लिए ी/३७.ङ्क का इस्तेमाल करने तथा अनधिकृत एजेंटों और बिचौलियों से टिकट नहीं खरीदने को कहा गया है। चारधाम यात्रा के पहले चरण में गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी स्थित हेलीपैड से आठ हेली ऑपरेटरों के माध्यम से केदारनाथ के लिए सेवाएं संचालित की गई थीं। इस दौरान करीब 67 हजार श्रद्धालुओं ने हेली सेवा का लाभ उठाया।

दीघा में खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई, 12 होटलों को नोटिस

मेदिनीपुर : राज्यव्यापी खाद्य सुरक्षा सप्ताह के पहले ही दिन मंगलवार को देर शाम तक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दीघा और जगन्नाथ मंदिर परिसर के आसपास जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। घटिया और अस्वास्थ्यकर भोजन परोसने के आरोप में दीघा के 12 होटल-रेस्तरां को कानूनी नोटिस जारी किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पूर्व मेदिनीपुर के जिलाधिकारी निरंजन कुमार, कांथी के एसडीएम प्रतीक अशोक धुमाल, उपभोक्ता संरक्षण विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में तटीय शहर के 20 होटल-रेस्तरां में अचानक जांच की गई। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई रेस्तरां में कई दिन पुराना बासी मुर्गा और मछली परोसी जा रही थी। बासी खाने की बदबू छुपाने के लिए नियमों को ताक पर रखकर 'फूड सेंट' का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा बिरयानी में खाने वाले रंग के बजाय सेहत के लिए हानिकारक केमिकल युक्त रंगों की मिलावट पाई गई। मंगलवार देर शाम नंदीग्राम स्वास्थ्य जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी विश्वजीत मान्ना ने बताया कि दीघा के 20 होटल-रेस्तरां में छापेमारी कर 15 स्थानों से भोजन के नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। बड़ी लापरवाही पाए जाने पर 12 होटलों को कारण बताओ (कानूनी) नोटिस थमाया गया है। आम जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। गौरतलब है कि इसी दिन एगरा शहर में भी खाद्य सुरक्षा विभाग ने कई रेस्तरां, बेखौफ बेकरियों और गोदामों में छापेमारी की। वहां से भारी मात्रा में एक्सपायरी डेट के बिस्कुट, चॉकलेट और नमकीन (चनाचूर) जब्त किए गए तथा दो रेस्तरां और एक नमकीन फैक्ट्री को नोटिस जारी किया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

एबीडी ने बदल के तो देखो के साथ प्रीमियम रूप पेश किया

रांची: एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने अपने लोकप्रिय ब्रांड के लिए नई प्रीमियम पैकेजिंग और आधुनिक स्वरूप पेश किया है। ऑफिसर्स चॉइस ब्लू की नई पैकेजिंग में आकर्षक बोतल, पारदर्शी लेबल और मैट गोल्ड फॉयलिंग का इस्तेमाल किया गया है। ह्यट्रस्टेड सिंस 1988ह्ल ब्रांड की विरासत को दशार्ता है। एबीडी के प्रबंध निदेशक अमर सिन्हा ने कहा कि नया स्वरूप गुणवत्ता और निरंतरता के वादे को बनाए रखते हुए ब्रांड में नई ऊर्जा और आधुनिक शैली जोड़ता है। नई पैकेजिंग की शुरूआत उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से होगी, जिसके बाद अन्य बाजारों में इसका विस्तार किया जाएगा।

रैंप पर दिखेगा हुनर और अंदाज जल्द होने जा रहा है आईकॉनिक फैशन रनवे

संवाददाता : शहर में फैशन शो ग्लैमर के क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए जल्द ही एक खास फैशन शो का आयोजन होने जा रहा है, इस आयोजन में मॉडल और प्रतिभागी आकर्षक परिधानों के साथ रैंप पर अपना हुनर और आत्मविश्वास प्रदर्शित करेंगे। आयोजन को लेकर प्रतिभागियों में खास उत्साह देखा जा रहा है रैंप वॉक आकर्षक ड्रेस और शानदार प्रस्तुति का कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगी , आयोजकों के अनुसार या फैशन शो केवल ग्लैमर तक ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि स्थान निकला संस्कृति और प्रतिभा कोई मंच देने का प्रयास करेगा।
वही इस कार्यक्रम की फोटो शूट आज से ही अगले 6 सितंबर तक जारी रहेगी।

भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा को लेकर देवेन्द्र महतो सिंगपुर मुरी में

मुरी : अभ्यर्थी न्याय मंच के तहत भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा के क्रम में मुरी सिंगपुर चौंक पर स्व विष्णु चरण महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण के बाद देवेन्द्र महतो ने आह्वान किया कि यह लड़ाई घर घर की है, बच्चों के भविष्य की लडाई है।आइए इस अभियान को धार दीजिए। नौकरी बेची जा रही है,यह यात्रा आज सिल्ली, बंता राहें बुंडू से तमाड़ तक जाएगी।इस यात्रा में मुरी से कृष्णा महतो,सिरीया महतो, जाकिर खान,महेश महतो, संजय महतो, खुदीराम महतो आदि सैकड़ों लोग थे।

सिल्ली-मुरी क्षेत्र में जलजमाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त, घरों एवं स्कूलों में घुसा पानी

मुरी : इन दिनों सिल्ली मुरी क्षेत्र में लगातार बारिश होने से सिल्ली-मुरी क्षेत्र में जगह-जगह बरसात का पानी जमा हो गया है। सबसे खराब स्थिति सिंगपुर चौक से सिंगपुर नर्सिंग होम जाने वाली सड़क की है, जहां सड़क पर नदी की तरह पानी बह रहा है। सिंगपुर सरकारी स्कूल के आसपास के घरों में बारिश का पानी घुस गया है। कई परिवारों का घर का सामान झ अनाज, कपड़ा, बिस्तर सब बर्बाद हो गया है। सरकारी स्कूल के अंदर भी पानी भर गया है, जिससे बच्चों कि पढ़ाई बंद हो गई है। गांव के लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रतिवर्ष बरसात में यही हाल रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष इस समस्या की सूचना सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो को दी गई थी। विधायक जी मौके पर पहुंचे, क्षेत्र का भ्रमण किया और जल्द निदान का आश्वासन देकर चले गए, लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हुआ। इसके बाद ग्रामीणों ने सिल्ली सीओ अंचला अधिकारी अरुणिमा एक्का को सूचना दी। सीओ मैडम अपने प्रशासनिक दल के साथ मौके पर पहुंचीं और ग्रामीणों की परेशानी देखी। उन्होंने कहा कि फंड आने पर काम होगा, लेकिन अभी तक कोई काम शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीणों के अनुसार पानी निकासी के लिए पहले एक नाला (पुलिया) बना हुआ था। उसके बंद हो जाने से पानी का निकास पूरी तरह रुक गया है। इसी वजह से पूरा पानी सड़क पर और घरों में घुस रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बंद कलवर्ट (पुलिया)को तुरंत खोला जाए, पानी निकासी के लिए नाली बनाई जाए और सिंगपुर चौक से नर्सिंग होम तक सड़क की मरम्मत फंड जारी कर तुरंत काम किया जाए।

गैस कनेक्शन लगाने के दौरान हादसा, दो मजदूर झुलसे

जमशेदपुर : कदमा वर्कर्स फ्लैट में गैस कनेक्शन लगाने के दौरान हादसा हो गया जिसमें दो कनेक्शन लगा रहे दो मजदूर झुलसे गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया जहां दोनों का इलाज किया गया। घायलों में कपाली निवासी गुलाम कादिर और सत्तार अंसारी शामिल है। सत्तार ने बताया कि वे लोग एक फ्लैट में गैस कनेक्शन लगा रहे थे। इसी दौरान दीवार में ड्रिल किया जा रहा था। ड्रिल से चिंगारी निकली जिससे मौके पर आग जग गई। सत्तार के अनुसार पाइप में कुछ गैस लीक कर रही थी जिस कारण यह हादसा हुआ है। फिलहाल दोनों का इलाज जारी है।

झरिया मास्टर प्लान की पीएम के सलाहकार ने की समीक्षा

पुनर्वास और बेलगड़िया शिफ्टिंग में तेजी के निर्देश

संवाददाता

धनबाद : झरिया के अग्नि और भू-धंसान प्रभावित इलाकों में रहने वाले परिवारों के पुनर्वास को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने मंगलवार को धनबाद समाहरणालय में संशोधित झरिया मास्टर प्लान की समीक्षा की।

इस बैठक में प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, बेलगड़िया टाउनशिप के विकास, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई।

समीक्षा बैठक में अब तक किए गए कार्यों का ब्यौरा हुआ पेश

समीक्षा बैठक में झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए), बीसीसीएल और जिला प्रशासन की ओर से अब तक किए गए कार्यों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया गया। इस दौरान प्रभावित परिवारों को जल्द सुरक्षित स्थानों पर बसाने और पुनर्वास प्रक्रिया को गति देने पर विशेष जोर दिया गया।

धनबाद डीसी आदित्य रंजन ने बताया कि बेलगड़िया टाउनशिप के फेज-1, 2 और 3 में अधिग्रहित 3,737 आवासों के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आवासों में रूफ वाटरप्रूफिंग, फर्श और बाथरूम में टाइल्स, पुट्टी एवं वेदर कोट पेंटिंग तथा पीवीसी पानी की टंकियां लगाने का काम प्रस्तावित है। कार्य की गुणवत्ता की निगरानी के लिए आईआईटी-आईएसएम के साथ एमओयू किया गया है और संस्थान के प्रमाणन के बाद ही भुगतान की व्यवस्था रखी गई है।

बहुउद्देशीय हॉल के विस्तार के लिए टेंडर जारी

प्रशासन के अनुसार, पुनर्वासित परिवारों को 99 साल का लीज अधिकार दिया जाएगा। बीसीसीएल बोर्ड की ओर से स्टांप ड्यूटी और निबंधन शुल्क को माफ करने अथवा वहन करने का निर्णय लिया गया है। बेलगड़िया में प्राथमिक विद्यालय का उन्नयन पूरा हो चुका है, जबकि डीएमएफटी के माध्यम से जी+2 मिडिल स्कूल और आमटाल हाई स्कूल का निर्माण चल रहा है। आरएसपी कॉलेज के नए भवन तथा मल्टीपर्पस हॉल के विस्तार के लिए भी टेंडर जारी किया जा चुका है। स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए हेल्थ सब-सेंटर को एल-1 स्तर पर विकसित किया गया है और एनक्यूएएस मानकों को लागू किया गया है। 24 घंटे एंबुलेंस सुविधा के साथ 20 बेड वाले नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण भी जारी है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए बेलगड़िया में पुलिस पोस्ट संचालित है, जबकि पूर्ण थाना स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। टाउनशिप में सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम की व्यवस्था भी विकसित की जा रही है।

दामोदर नदी से स्थास जलापूर्ति योजना पर काम में तेजी

बैठक में सड़क, बिजली और जलापूर्ति से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा हुई। बारमसिया-कुसमाटांड़ मुख्य सड़क और पलानी मोड़ सड़क के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया गया है। चार लेन झरिया रिंग रोड की व्यवहार्यता रिपोर्ट एनएचएआई तैयार कर रहा है। दामोदर नदी से स्थायी जलापूर्ति योजना पर काम आगे बढ़ रहा है। सीवरेज व्यवस्था के लिए आधुनिक ट्रीटमेंट प्लांट का डीपीआर नमामि गंगे को भेजा गया है।

बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 33 केवी सब स्टेशन और स्मार्ट मीटरिंग की योजना पर काम चल रहा है। बेलगड़िया में 500 से अधिक सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं। इसके अलावा 2 और 4 मेगावॉट क्षमता वाले बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए टेक्सटाइल उद्योग स्थापित करने की योजना है। हिंडाल्को, राजधानी टेक्सटाइल्स और संबंधित संस्थाओं के बीच त्रिपक्षीय एमओयू हो चुका है। इससे 600 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। आदित्य बिड़ला समूह के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर का निर्माण भी जारी है। युवाओं को अक् डेटा साइंस और कोडिंग का निःशुल्क प्रशिक्षण देने के साथ प्लेसमेंट ड्राइव और खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

200 विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग देने की व्यवस्था

आरएसपी कॉलेज और करमाटांड़ में बैंकिंग, एसएससी और रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए हर साल 200 विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग देने की व्यवस्था शुरू की गई है। आजीविका और परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 50 ई-रिक्शा बांटे जा चुके हैं, जबकि 50 अन्य ई-रिक्शा वितरण की प्रक्रिया में हैं। बीसीसीएल की ओर से बेलगड़िया से धनबाद और झरिया के लिए दो ई-बसें भी संचालित की जा रही हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए जेएसएलपीएस के माध्यम से 800 से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। इन्हें बांस-जूट हस्तशिल्प, मशरूम उत्पादन, मत्स्य पालन, डेयरी और पोल्ट्री जैसी गतिविधियों से जोड़कर आय बढ़ाने की पहल की जा रही है। विशेष शिविरों के जरिए 3,192 से अधिक परिवारों को आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, पेंशन और मनरेगा जैसी योजनाओं का लाभ दिलाया गया है।

डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने का सुझाव

समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने बिजली सबस्टेशन का निर्माण तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने बेलगड़िया की मुख्य पहुंच सड़क और कॉलोनी की आंतरिक सड़कों को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने लोगों को रोजगार के अवसरों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष टीम गठित करने तथा डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

तरुण कपूर ने बेलगड़िया में संचालित विभिन्न परियोजनाओं में स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने और प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द बेलगड़िया में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया।

पुनर्वास कॉलोनियों को केवल आवास उपलब्ध कराने

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और कोल इंडिया की प्राथमिकता अग्नि एवं भू-धंसान जैसे जोखिम वाले इलाकों में रह रहे परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना है। पुनर्वास कॉलोनियों को केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि वहां सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी जरूरी सुविधाओं को विकसित कर आदर्श टाउनशिप के रूप में तैयार किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पहले से आवंटित आवासों में यदि किसी तरह की कमी या मरम्मत की जरूरत है, तो उसे दूर किया जाएगा। अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में रह रहे परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर नई कॉलोनियों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेज करने को कहा गया। बैठक में रेलवे, एनएचएआई, जेबीवीएनएल समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं और प्रगति की भी समीक्षा की गई।

सार्वजनिक जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराना विभाग की प्राथमिकता : डॉ दिलीप जायसवाल

तालाब, पोखर, आहर और पईन की होगी पहचान, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी तेज

संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राज्य की सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में कार्रवाई तेज करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को राजस्व सर्वे (प्रशिक्षण) संस्थान, शास्त्रीनगर में आयोजित ह्यजल-जीवन-हरियाली दिवसह्ल कार्यक्रम में तालाब, पोखर, आहर और पईन सहित सार्वजनिक जल संरचनाओं की पहचान और उनके संरक्षण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं की पहचान कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराना विभाग की प्राथमिकता है। तालाब, पोखर, आहर और पईन पर्यावरण संरक्षण, भू-जल स्तर बनाए रखने और आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मंत्री ने कहा कि जल स्रोतों और सार्वजनिक जल संरचनाओं पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण गंभीर विषय है। चिन्हित अतिक्रमण को प्राथमिकता के आधार पर हटाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने जल-जीवन-हरियाली अभियान से जुड़े 15 विभागों के अधिकारियों से भी कार्यों को बेहतर बनाने के लिए सुझाव लिए।

वहीं, विभाग के सचिव जय सिंह ने कहा कि सार्वजनिक जल निकायों को अतिक्रमण मुक्त कराने के कार्य की निगरानी के लिए विभाग अलग सेल बनाएगा। यह सेल जल संरचनाओं की पहचान, संरक्षण और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की मॉनिटरिंग करेगा।

कार्यक्रम में राजस्व अभिलेखों के आधार पर सार्वजनिक जल निकायों की पहचान कर उनके संरक्षण और अतिक्रमण के मामलों में समयबद्ध कार्रवाई पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि जल निकाय आने वाली पीढ़ियों की महत्वपूर्ण धरोहर हैं और इनके संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

171 वें रोटरी मासिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

संवाददाता

चाईबासा। रोटरी क्लब चाईबासा द्वारा स्व हरभजन सिंह खोखर की स्मृति में आयोजित 171 वें रोटरी मासिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ चाईबासा नगर परिषद के 14 नम्बर वार्ड के पार्षद सन्नी पासवान के द्वारा प्यार से किए गए रक्तदान से हुआ।

रोटरी के पूर्व अध्यक्ष एवं रक्तदान शिविर के संयोजक गुरमुख सिंह खोखर एवं मनीष महतो द्वारा संयुक्त रूप से सन्नी पासवान को पुष्प गुच्छ तथा प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यह रोटरी मासिक रक्तदान शिविर एक जुलाई 2012 से लगातार प्रत्येक महीने की एक तारीख को खोखर परिवार द्वारा प्रायोजित किया जाता है। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित पोद्दार ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। मानव शरीर को रक्त की जरूरत हो तो मानव द्वारा किया गया रक्तदान ही काम आता है।

रोटरी क्लब के सचिव सौरभ प्रसाद ने कहा कि 171वें मासिक रक्तदान शिविर में सन्नी पासवान, अमन प्रकाश गुप्ता, नवीन सिंह, नीरज कुमार साव जगन्नाथ साहु , संजीव, बाबु राम, रविन्द्र सहित कुल दस (10) रक्तदाताओं ने प्यार से रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर को सफल बनाने में गुरमुख सिंह खोखर, दुर्गेश खत्री, विजय कुमार एवं ब्लड बैंक कर्मियों का सराहनीय सहयोग रहा।

हाथीखेदा मंदिर श्रद्धा और आस्था का अनुपम स्थल है

जमशेदपुर से 30 किलोमीटर दूर अवस्थित पटमदा प्रखंड अंतर्गत पोड़ा स्थल पर स्थित हाथीखेदा मंदिर में श्रद्धालुओं और भक्तजनों की भीड़ उमड़ती है तथा दर्शन और पूजा के लिए लोग दूर दराज और विभिन्न स्थानों से आते हैं। यहाँ किसी देवी देवता की नहीं बल्कि हाथी की प्रतिमा है जिसकी पूजा करने लोग आते हैं। इस मंदिर की मान्यता है कि सच्चे मन जो भी भक्त कुछ मांगते हैं वो जरूर पूरा होता है। मंदिर के ईर्दगिर्द और आसपास में टंगे घंटी और नारियल भक्तों की श्रद्धा और निष्ठा को दशार्ते हैं। श्रद्धालु कैलाश साव बताते हैं कि उन्हें इस मंदिर में काफी शांति की अनुभूति होती है यह काफी अनुपम और दर्शनीय मंदिर है जहाँ श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

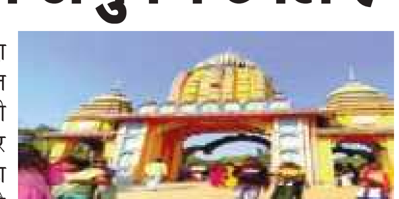

नगर आयुक्त ने मिला प्रतिनिधिमंडल स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमा लगाने की मांग

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर नगर निगम गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन तथा संविधान निर्माण में पलामू के योगदान को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हृदयानंद मिश्र, एडवोकेट के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नगर आयुक्त ी रंजीत कुमार लाल, आईएएस से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त को सौंपे अपने मांग-पत्र में पलामू के महान स्वतंत्रता सेनानी एवं संविधान सभा के सदस्य यदुवंश सहाय उर्फ यदु बाबू तथा श्री अमिय कुमार घोष उर्फ गोपा बाबू की भव्य प्रतिमाएं नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित करने की मांग की। साथ ही ऐतिहासिक जेलहाता क्षेत्र का नाम ह्ययदुवंश नगर (यदु बाबू)ह्ल तथा सेवा सदन रोड का नाम ह्यअमिय कुमार घोष रोड (गोपा बाबू)ह्ल करने का अनुरोध किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जिन महापुरुषों ने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने के साथ-साथ देश के संविधान निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उनकी स्मृति को अपने ही शहर में सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी होगा। मांग-पत्र में दोनों महापुरुषों की प्रतिमाओं के साथ उनके जीवन, स्वतंत्रता संघर्ष एवं संविधान सभा में योगदान को दशार्ने वाले संक्षिप्त परिचय-पट्ट लगाने का भी प्रस्ताव दिया गया।

नगर आयुक्त श्री रंजीत कुमार लाल ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखी गई मांगों को वे आगामी नगर निगम बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव के रूप में रखेंगे और इन मांगों को पूरा कराने की दिशा में यथासंभव सकारात्मक प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हृदयानंद मिश्र, एडवोकेट ने कहा कि यदुवंश सहाय और अमिय कुमार घोष केवल पलामू के गौरव नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता संघर्ष और संविधान निर्माण की राष्ट्रीय विरासत के महत्वपूर्ण अध्याय हैं। उनके सम्मान में प्रतिमा स्थापित करना और सार्वजनिक स्थलों का नामकरण करना इतिहास को जीवित रखने तथा नई पीढ़ी को अपने क्षेत्र के गौरवशाली अतीत से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

उन्होंने कहा कि ह्लजिस धरती ने देश को स्वतंत्रता सेनानी और संविधान सभा के सदस्य दिए, उस धरती पर उनके सम्मान में स्मारक और नामकरण होना हमारा नैतिक और ऐतिहासिक दायित्व है।

प्रतिनिधिमंडल में संविधान सभा के सदस्य यदुवंश सहाय के पौत्र श्री सुधीर सहाय, वरिष्ठ नागरिक एवं इप्टा के पलामू जिलाध्यक्ष श्री प्रेम भसीन, झारखंड प्रदेश कांग्रेस शिक्षा विभाग के चेयरमैन श्री श्याम नारायण सिंह, शर्मिला शुमि, पलामू जिला राजीव गांधी विचार समिति के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री शैलेश चंद्रवंशी, पलामू जिला कांग्रेस के महासचिव श्री जतरू उरांव, पलामू जिला महिला कांग्रेस की जुझारू नेत्री श्रीमती सुमन तिर्की, श्री रानू सिन्हा, पलामू जिला एडवोकेट सेल के अध्यक्ष अमित पांडेय, अधिवक्ता सुरेंद्र पांडेय, राजीव गांधी विचार समिति स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।